www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 32.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 95.770g

चांदी 97,030kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 जाति जनगणना के नफा-नुकसान, सामाजिक न्याय को सच में नई उड़ान मिलती है या नहीं?

प्रेस फ्रीडम इंडेक्स- 180 देशों में भारत 151 रैंकिंग पर 04

वर्ष :08 | अंक :311 | मुंबई , शनिवार ,03 मई , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राम पथ पर अब नहीं बिकेगी शराब और मांस, इनरवियर के विज्ञापन पर भी रोक

अयोध्या नगर निगम ने राम पथ के 14 किलोमीटर लंबे हिस्से में शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अयोध्या शहर को अयोध्या छावनी और फैजाबाद शहर से जोड़ने वाली सड़कें शामिल हैं। महापौर, उप महापौर और 12 पार्षदों वाली कार्यकारी समिति द्वारा पारित प्रस्ताव में पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट की बिक्री और अंडरगारमेंट्स के विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। निगम के मुताबिक यह फैसला शहर की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर लिया गया है। अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि प्रतिबंध के बारे में निर्णय अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है, जो अब इसके कार्यान्वयन पर निर्णय लेंगे। मेयर ने कहा कि पार्षदों ने प्रस्ताव दिया कि चूंकि भगवान राम के नाम पर इस 14 किलोमीटर लंबे मार्ग का नाम राम पथ रखा गया है, इसलिए इस पर ऐसी वस्तुओं की बिक्री हमारे सांस्कृतिक अनुशासन के अनुरूप नहीं होगी। इसलिए, हमने एक प्रस्ताव पारित किया है और राम पथ पर शराब की बिक्री रोकने के लिए डीएम को एक पत्र भेजा है।

मप्र के विदिशा जिले में वाहन पलटने से चार लोगों की मौत, 13 घायल

मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में शुक्रवार को तड़के बारातियों को ले जा रहा एक वाहन पलटने से चार लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब तीन बजे लटेरी कस्बे के पास हुआ, जब बारातियों को ले जा रही एक जीप इंदौर से सिरोंज लौट रही थी। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया, जबकि बाकी का इलाज विदिशा और लटेरी के अस्पतालों में चल रहा है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर दुख जताया।

आज भारत की ताकत सिर्फ हथियार नहीं बल्कि हमारी एकता भी है : प्रधानमंत्री मोदी

पहलगाम हमले के बीच पीएम मोदी का बड़ा बयान

आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद खराब करने वाला है, शशि थरूर के बहाने पीएम मोदी का गठबंधन इंडिया पर तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक पर कटाक्ष किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर की मौजूदगी को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि थरूर के कार्यक्रम में मौजूद होने से कई लोगों में बेचैनी पैदा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं मुख्यमंत्री (पिनाराई विजयन) से कहना चाहता हूं कि आप इंडिया गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं, शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। उन्होंने कहा, आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद खराब करने वाला है।

एजेंसी

पहलगाम आतंकवादी हमले पर केंद्र की प्रतिक्रिया पर आंध्र प्रदेश के एनडीए सहयोगियों से खुला समर्थन मिलने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज भारत की ताकत सिर्फ उसके हथियारों में नहीं बल्कि उसकी एकता में भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमरावती में एक रैली में यह टिप्पणी की, जब उन्होंने राज्य में 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिसमें ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती के निर्माण को फिर से शुरू करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह शहर एक सपने का साकार होना और एक विकसित भारत की नींव है। प्रधानमंत्री के संबोधन से कुछ मिनट पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और

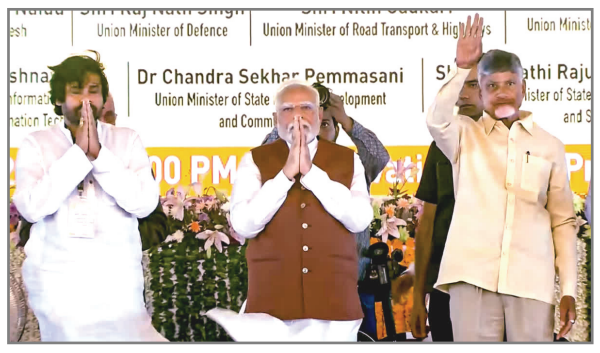

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया और पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री की कार्रवाई का खुलकर समर्थन किया। उनकी टिप्पणियों का जिक्र किए बिना पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि सैन्य ताकत के अलावा एकता भी भारत की एक प्रमुख ताकत है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹आज हमारी ताकत सिर्फ हथियार नहीं बल्कि हमारी एकता भी है। पूरे देश में एकता मॉल बनाए जा रहे हैं।कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस बात पर जोर देते हुए कि आंध्र प्रदेश ने सही गति के साथ सही दिशा में अपनी यात्रा तय की है, प्रधानमंत्री ने लोगों और राज्य सरकार को राज्य के विकास में केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि

> प्रधानमंत्री के संबोधन से कुछ मिनट पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया और पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री की कार्रवाई का खुलकर समर्थन किया।

आंध्र सही गति के साथ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं राज्य के विकास के लिए आंध्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करूंगा, ₹ पीएम मोदी ने कहा।मोदी ने कहा कि अमरावती एक शहर नहीं बल्कि एक सपना है जो सच हो रहा है... एक नया अमरावती, एक नया आंध्र देखा जा सकता है। अमरावती में एक विकसित भारत की ऊर्जा देखी जा सकती है। आज शुरू किए गए विकास कार्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे और आंध्र प्रदेश के विकास को गति देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹अमरावती एक ऐसा शहर होगा जहां हर युवा के सपने पूरे होंगे।

ईडी की चार्जशीट के बाद नेशनल हेराल्ड केस में बड़ा एक्शन

कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जारी किया नोटिस

> कोर्ट ने कहा कि आरोपपत्र में कमियों को दूर कर दिया गया है और अब मुद्दा यह है कि क्या भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 223 के तहत नोटिस जारी किया जाना चाहिए।जज ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपने आरोपपत्र में नामित राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य लोगों को संज्ञान के समय सुनवाई का अधिकार है।

एजेंसी

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य प्रस्तावित आरोपियों को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के सवाल पर सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि आरोपपत्र में कमियों को दूर कर दिया गया है और अब मुद्दा यह है कि क्या भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 223 के तहत नोटिस जारी किया जाना चाहिए। जज ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपने आरोपपत्र में नामित राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य लोगों को संज्ञान के समय सुनवाई का अधिकार है। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी। अदालत ने कहा कि मामला विचाराधीन चरण में है। इस चरण में अभियुक्तों को यह विशेष अधिकार है कि अदालत द्वारा उनके खिलाफ औपचारिक रूप से मामला उठाने का निर्णय लेने से पहले उनकी बात सुनी जाए। यह अधिकार धारा 223 के एक विशिष्ट प्रावधान से आता है, जो प्रक्रिया के इस प्रारंभिक चरण में अभियुक्तों को एक अद्वितीय (या स्व-विशिष्ट) कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

दिल्ली हाईकोर्ट की फटकार के बाद बाबा रामदेव ने भविष्य में आपत्तिजनक पोस्ट न करने का किया वादा

कहा रूह अफजा के खिलाफ अब नहीं देंगे अपमानजनक बयान

एजेंसी

नई दिल्ली: योग गुरु रामदेव ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में हलफनामा दिया कि वे हमदर्द के रूह अफजा के खिलाफ अपनी ₹शरबत जिहाद टिप्पणी के समान कोई अपमानजनक बयान जारी नहीं करेंगे और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट प्रकाशित करेंगे. हमदर्द के रूह अफजा पर विवादास्पद टिप्पणी मामले पर सुनवाई :अदालत ने यह आदेश हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया द्वारा रामदेव और उनकी पतंजलि फूड्स लिमिटेड के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी को लेकर दायर मुकदमे पर सुनवाई करते हुए दिया.हमदर्द ने दावा किया कि पतंजलि के ₹गुलाब शरबत₹ का प्रचार करते हुए रामदेव ने आरोप लगाया कि हमदर्द के रूह अफजा से अर्जित धन का इस्तेमाल मदरसों और मस्जिदों के निर्माण में किया गया.योग गुरु ने वीडियो और पोस्ट को हटाने का दिया था आश्वासनः22 अप्रैल को, न्यायालय ने रामदेव और पतंजलि से हलफनामा मांगा कि वे ₹भविष्य में प्रतिस्पर्धियों के उत्पादों के संबंध में वर्तमान मुकदमे के विषय के समान कोई बयान, सोशल मीडिया पोस्ट या अपमानजनक वीडियो/विज्ञापन जारी नहीं करेंगे. न्यायालय ने कहा कि हमदर्द के रूह अफजा पर रामदेव की ₹शरबत जिहाद की टिप्पणी अक्षम्य थी और इसने उसकी अंतरात्मा को झकझोर दिया, जिसके कारण योग गुरु ने आश्वासन दिया कि वे संबंधित वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट को तुरंत हटा देंगे.मामले की अगली सुनवाई अब 9 मई को होगी।

> 1 मई को विवादास्पद ऑनलाइन सामग्री को हटाने का आदेश : बता दें कि न्यायमूर्ति अमित बंसल, जिन्होंने 1 मई को विवादास्पद ऑनलाइन सामग्री को हटाने का आदेश दिया था, कोर्ट ने रामदेव के वकील से आज दिन में हलफनामा दाखिल करने को कहा था. जिसके बाद रामदेव की पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने भी इसी तरह का हलफनामा दिया.

गंगा एक्सप्रेसवे पर वायु सेना का जलवा

यूपी के शाहजहांपुर में उतरे एयर फोर्स के लड़ाकू विमान, एयर शो में गरजे राफेल-जगुआर

एयर शो

शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी यह देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां लड़ाकू विमान दिन व रात दोनों समय में लैंडिंग कर सकेंगे। इसके लिए शुक्रवार को वायुसेना ने लैंडिंग का अभ्यास किया।

एजेंसी

लखनऊ । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने शुक्रवार को दोपहर में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेसवे के साढ़े तीन किलोमीटर लंबे हिस्से पर अपना बहुप्रतीक्षित लैंड एंड गो (विमानों का आगमन और प्रस्थान) अभ्यास किया, जो देश की रक्षा तैयारियों के लिहाज से अहम है। इस एक्सप्रेस वे की खासियत यह है कि यह लड़ाकू विमानों को दिन और रात दोनों समय में उड़ान भरने की सुविधा प्रदान करता है। अपनी इस अनूठी क्षमता के कारण यह देश में इस तरह की पहली हवाई पट्टी बन गई है। अब तक लखनऊ-आगरा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर इसी तरह की आपातकालीन लैंडिंग ड्रिल की जा चुकी है, लेकिन वे दिन के समय तक ही सीमित थीं। विभिन्न स्कूलों के बच्चे और कुछ स्थानीय लोग भी एक्सप्रेसवे पर विस्मयकारी उड़ान प्रदर्शनों को देखने के लिए एकत्र हुए।दरअसल, यूपी देश की रक्षा शक्ति का नया गढ़ बनता जा रहा है। इटावा, उन्नाव और सुलतानपुर में स्थित एक्सप्रेसवे पर भारतीय वायुसेना के विमान उतरते रहे हैं, लेकिन अब भारतीय वायुसेना ने शाहजहांपुर स्थित गंगा एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों को उतारकर इतिहास रच दिया है।

हरक्यूलिस, जगुआर, मिग और राफेल ने एक साथ करतब दिखाए

हरक्यूलिस, जगुआर, मिग और राफेल विमानों ने एक साथ करतब दिखाए। इसे देखकर वहां मौजूद लाखों लोगों ने तालियां बजाईं। लोगों ने सैल्यूट किया और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए।

मुसलमानों और कश्मीरियों के पीछे न पड़ें

दिवंगत नेवी अफसर विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी की बड़ी अपील

> यह हमला उस समय हुआ जब नरवाल और उनकी पत्नी हिमांशी, जो अपने हनीमून पर थे, अनंतनाग जिले में स्थित एक खूबसूरत रिट्रीट में सैर कर रहे थे। 26 वर्षीय नरवाल को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी गई, जब आतंकवादियों ने उनके धर्म की पुष्टि की।

एजेंसी

नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल उन 26 लोगों में से एक थे, जो 16 अप्रैल को अपनी शादी के छह दिन बाद 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए थे। यह हमला उस समय हुआ जब नरवाल और उनकी पत्नी हिमांशी, जो अपने हनीमून पर थे, अनंतनाग जिले में स्थित एक खूबसूरत रिट्रीट में सैर कर रहे थे। 26 वर्षीय नरवाल को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी गई, जब आतंकवादियों ने उनके धर्म की पुष्टि की। अधिकारी को पूरे सैन्य सम्मान के साथ दफनाया गया और उनकी अस्थियों को 25 अप्रैल को हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में विसर्जित किया गया। गुरुवार को, जो उनका 27वां जन्मदिन होता, दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने एक ऐसे राष्ट्र के सामने एक भावनात्मक और साहसी अपील जारी की, जो अभी भी हमले की बर्बरता को स्वीकार कर रहा है। गुरुग्राम की पीएचडी स्कॉलर हिमांशी नरवाल ने कहा, ₹हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ जाएं। हम शांति चाहते हैं और केवल शांति। बेशक, हम न्याय चाहते हैं।लेफ्टिनेंट नरवाल 2022 में नौसेना में शामिल होने के बाद पिछले डेढ़ साल से कोच्चि में दक्षिणी नौसेना कमान में सेवा दे रहे थे।

बंगाल सरकार के नए मंदिर 'जगन्नाथ धाम' को लेकर विवाद

पुरी के लोग बोले- ममता माफी मांगें, यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ

एजेंसी

भुवनेश्वर , पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर ओडिशा में विरोध शुरू हो गया है। पुरी जगन्नाथ मंदिर के पंडितों, सेवकों, विद्वानों, कलाकारों और शोधकर्ता मंदिर का नाम 'जगन्नाथ धाम' रखने पर आपत्ति जता रहे हैं।दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 30 अप्रैल को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया था।

पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' नाम दिया।ओडिशा के लोगों ने मंदिर बनाने का समर्थन किया, लेकिन नाम पर एतराज जताया। उनका कहना है कि जगन्नाथ धाम सिर्फ पुरी में है, अन्य मंदिर को यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ है।

मुलाकात बीजेपी छोड़ टीएमसी में शामिल होने की अटकलें

दिलीप घोष ने की ममता बनर्जी से मुलाकात

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दीघा में जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के विरोध का सामना कर रहे वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने कहा है कि जब वह पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष थे उस दौरान पार्टी को पश्चिम बंगाल में मजबूती मिली और जब से इसमें दलालों का शामिल होना शुरू हुआ है तब से पार्टी गिरावट की ओर है। हम आपको बता दें कि दिलीप घोष अपनी नवविवाहिता पत्नी रिंकू मजूमदार के साथ तृणमूल सरकार द्वारा निर्मित मंदिर गए और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की, जिससे यह अटकलें तेज हो गईं कि वह 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी छोड़ सकते हैं। हालांकि उन्होंने अटकलों को खारिज किया लेकिन जब वह दीघा से कोलकाता लौटते समय कोलाघाट में कुछ देर के लिए रुके तो भाजपा कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के साथ बहस में दिलीप घोष ने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा का कद तब बढ़ा था जब मैं राज्य इकाई का अध्यक्ष था। पार्टी को वर्तमान स्थिति तक पहुंचाने के लिए 250 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। लोगों ने हम पर भरोसा किया लेकिन यह भरोसा लगातार कम होता जा रहा है। जब से पार्टी में दलाल शामिल हुए हैं तब से पार्टी में गिरावट आ रही है। उन्होंने प्रदर्शनकारी पार्टी समर्थकों से कहा, यदि आप अपने दुश्मनों से लड़ना चाहते हैं तो सही में लड़ाई लड़ें नाटक न करें। मैं यहां पार्टी बदलने नहीं आया हूं बल्कि राज्य की राजनीति बदलने आया हूं। दिलीप घोष ने सुबह अपनी पत्नी के साथ दीघा समुद्र तट पर संवाददाताओं से कहा, हमारी पार्टी ने हमें जाने से मना नहीं किया था। मुझे आमंत्रित किया गया था और यही कारण है कि मैं यहां आया हूं। मुझमें ऐसा करने का साहस है। तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर घोष ने कहा, मैं क्यों शामिल होऊंगा? उन्होंने कहा, मेरा बुरा वक्त नहीं है। मैं पिछले 10 वर्षों में नहीं बदला हूं, मैंने अपनी पार्टी नहीं बदली है जैसे कई लोग चुनाव आने पर पाला बदल लेते हैं। दिलीप घोष को पाला बदलने की जरूरत नहीं है। खड़गपुर के पूर्व सांसद दिलीप घोष ने आलोचनाओं का बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा, लोग दिलीप घोष के बारे में बात करते रहते हैं। भले ही वे नकारात्मक बातें करें, लेकिन इससे मेरा प्रचार ही होता है। हम आपको बता दें कि दिलीप घोष 2015 में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बने थे और 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था।

> दिलीप घोष ने संवाददाताओं से कहा, "हमारी पार्टी ने हमें जाने से मना नहीं किया था। मुझे आमंत्रित किया गया था और यही कारण है कि मैं यहां आया हूं। मुझमें ऐसा करने का साहस है। तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर घोष ने कहा, मैं क्यों शामिल होऊंगा?

हम तो चैन की नींद सो लेंगे, पीएम के लिए सोना मुश्किल होने वाला है

मोदी के बयान पर कांग्रेस का पलटवार

> कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे नाजुक समय में, जब देश का समूचा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है, देश के प्रधान मंत्री ऐसी फूहड़ राजनीति कर रहे हैं। देश के दुश्मन मुस्कुरा रहे होंगे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मुझे नहीं पता कि पीएम किस आधार पर ऐसा कह रहे हैं। पीएम ही वह व्यक्ति होंगे जिनकी रातों की नींद हराम होगी, न कि इंडिया अलायंस, राहुल गांधी या कांग्रेस। हम जाति जनगणना के मुद्दे पर उन पर अधिकतम दबाव बनाने जा रहे हैं। उन्होंने इसे महिला आरक्षण विधेयक की तरह घोषित किया। हम तो चैन की नींद सो लेंगे, लेकिन पीएम के लिए सोना मुश्किल होने वाला है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे नाजुक समय में, जब देश का समूचा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है, देश के प्रधान मंत्री ऐसी फूहड़ राजनीति कर रहे हैं। देश के दुश्मन मुस्कुरा रहे होंगे। आपको बता दें कि कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर की मौजूदगी को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि थरूर के कार्यक्रम में मौजूद होने से कई लोगों में बेचैनी पैदा होगी।

सम्पादकीय

दरक रही यूपीएससी की परीक्षा प्रणाली, 95 प्रतिशत उम्मीदवार अंग्रेजी माध्यम से ही चुने जा रहे

यूपीएससी की परीक्षा प्रणाली में कई विरोधाभास हैं।70 प्रतिशत उम्मीदवार इंजीनियरिंग मेडिकल या प्रबंधन जैसे तकनीकी क्षेत्र से हैं लेकिन 80 प्रतिशत से ज्यादा के वैकल्पिक पेपर सामाजिक विज्ञान से होते हैं।95 प्रतिशत उम्मीदवार अंग्रेजी माध्यम से चुने जाते हैं जबकि भारतीय भाषाओं के मुश्किल से पांच प्रतिशत उम्मीदवार ही सफल हो पाते हैं।संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में सफल उम्मीदवारों की गूंज हर वर्ष की तरह इस साल भी है।पिछले कई वर्षों से इसमें लड़कियां टाप कर रही हैं।इस बार भी शक्ति दुबे अव्वल रहीं।पहले 25 रैंक में 11 लड़कियां हैं।कुल मिलाकर 29 प्रतिशत।हर साल इसमें वृद्धि हो रही है।यह नारी शक्ति या कहें स्त्री शिक्षा के लिए बहुत सुखद खबर है।पिछले कुछ वर्षों की समीक्षा की जाए तो सिविल सेवा परीक्षा के विरोधाभास भी कम नहीं हैं।लगभग 70 प्रतिशत उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता इंजीनियरिंग, मेडिकल या प्रबंधन जैसे तकनीकी क्षेत्र में है, लेकिन इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा के यूपीएससी परीक्षा में वैकल्पिक पेपर सामाजिक विज्ञान जैसे समाजशास्त्र, एंथ्रोपोलाजी, राजनीतिशास्त्र आदि होते हैं।इस बार की टापर शक्ति दुबे ने यूपीएससी में विषय राजनीतिशास्त्र चुना, तीसरी रैंक पाए अर्चित पराग डोंगरे ने फिलासफी और चौथे-पांचवें रैंक पाए दोनों उम्मीदवारों ने समाजशास्त्र चुना, जबकि स्नातक स्तर पर इनकी पढ़ाई इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे तकनीकी क्षेत्र में हुई है।यहां प्रश्न अच्छे और बुरे विषय का नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और यूपीएससी में कोई तालमेल नहीं होने का है।दूसरा महत्वपूर्ण विरोधाभास अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं का है। अंग्रेजी मातृभाषा वाले इस देश में दो प्रतिशत भी नहीं होंगे, लेकिन सिविल सेवा परीक्षा में 95 प्रतिशत उम्मीदवार अंग्रेजी माध्यम से ही चुने जाते हैं। भारतीय भाषाओं के मुश्किल से पांच प्रतिशत उम्मीदवार चुन जाते हैं।2011 में प्रारंभिक परीक्षा में अंग्रेजी शामिल करने का दुष्परिणाम यह हुआ कि देश के नौजवान अंग्रेजी स्कूलों की तरफ ही झुकते चले गए और यह इस सरकार की भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की नीति के बावजूद भी वैसा ही जारी है। अंग्रेजी स्कूलों की तरफ कौन जा सकता है, वही जो अपेक्षाकृत संपन्न हैं।महानगर में रहकर महंगे स्कूल-कालेजों में पढ़ना और कोचिंग करना देश के गरीबों की हैसियत से बाहर है।पिछले 10 वर्षों से ज्यादा समय से यूपीएससी की पूरी परीक्षा प्रणाली में भी एक और बड़ी दरार सामने आ रही है।इस बार की टापर तीन बार प्रारंभिक परीक्षा में फेल होती रहीं और पांचवीं बार देश में अव्वल रहीं।दूसरी रैंक की हर्षिता गोयल भी दो बार प्रारंभिक परीक्षा में फेल हुईं।

आज का विचार

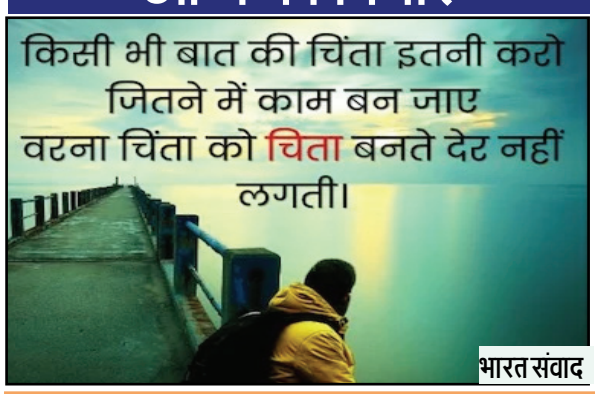

राशिफल

मेष राशि: जातकों के लिए कल का दिन काम और कमाई के लिहाज से लाभकारी रहेगा. आपको कल अपनी मेहनत और प्रयास से बढ़कर भाग्य लाभ दिलाएगा. आपने पूर्व में जो प्रयास किया है या निवेश किया है उसका भी आपको कल फायदा मिल सकता है.

वृषभ राशि: अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा. आपको कल अपने काम पर भी पूरा ध्यान देना होगा साथ ही काम की प्राथमिकता तय करके काम करना होगा क्योंकि कुछ जरूरी काम छूट जाने या अटक जाने का अंदेशा है. कल आपके सितारे कहते हैं कि कागजातों के मामले में आपको कल लापरवाही से बचना चाहिए

मिथुन राशि: आपके लिए कल का दिन महत्वपूर्ण रहेगा. किसी भी काम में आगे बढ़ने से पहले कल आपको उसके तमाम पक्षों को समझना होगा. कल आप घर की व्यवस्था और रखरखाव पर धन खर्च करेंगे. अपनी व्यावसायिक योजनाओं को बहुत सावधानी से क्रियान्वित करना होगा नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है.

कर्क राशि: दिन कर्क राशि के जातकों के लिए थकान और परिश्रम भरा रहेगा. आपके ऊपर कल काम की जिम्मेदारी रहेगी. आर्थिक मामलों में कल आपको संभलकर चलना होगा. आपको कल उधार लेन देन से भी बचना होगा.

सिंह राशि: सिंह राशि के जातकों के लिए कल का दिन सकारात्मक रहेगा. आपको अपनी कार्य योजनाओं में कल सफलता मिलेगी. जो लोग किसी योजना पर काम शुरू करने की सोच रहे हैं उनके लिए भी कल का दिन अनुकूल रहेगा.

कन्या राशि: आपके कामकाज में कल प्रगति होगी और आपको सुख साधनों की भी प्राप्ति होगी. आपको कल भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति हो सकती है, जो लोग वाहन खरीदने के लिए प्रयासरत हैं उनकी कोशिश सफल हो सकती है.

तुला राशि: आपके अंदर कल साहस और उत्साह का संचार बना रहेगा. आप कल जोखिम लेकर भी सफलता पाने के लिए प्रयास कर सकते हैं. कल आप अपने साहस और पराक्रम में वृद्धि का अनुभव करेंगे.

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों के लिए मिलाजुला परिणाम लेकर आया है. परिवार के किसी सदस्य की शादी की बात चल रही है तो बात कल पक्की हो सकती है. आपको कल परिवार के साथ मनोरंजक पल बिताने का मौका मिलेगा. किसी पड़ोसी अथवा मित्र का आपके घर आना जाना हो सकता है.

धनु राशि: रचनात्मक कार्यों में गहरी रुचि दिखाएंगे और आपके कलात्मक कौशल में निखार आएगा. आपके सहकर्मी आपको कल कार्यक्षेत्र में सहयोग प्रदान करेंगे. आपको व्यक्तित्व और व्यवहार आपको सम्मान दिलाएगा. आप वरिष्ठ सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे और आपको अधिकारी वर्ग से प्रोत्साहन प्राप्त होगा.

मकर राशि: दिन मकर राशि के जातकों के लिए महत्वपूर्ण और लाभकारी रहने वाला है. दान-पुण्य में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप किसी सामाजिक कार्य में कल भागीदार बन सकते हैं. सितारे कहते हैं कि कल आपको अपने कार्यक्षेत्र में भाग्य आगे बढ़ने में मदद करेगा. आपका कोई काम जो काफी समय से टल रहा है कल वह पूरा हो सकता है. वैसे कल आपको अपने बढ़ते खर्च पर नियंत्रण रखना होगा.

कुंभ राशि: दिन कुंभ राशि के जातकों के लिए कारोबार व्यवसाय के लिहाज से फायदेमंद रहेगा. आपको कल उन्नति और लाभ के कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे. कार्यस्थल पर नए स्रोतों से लाभ मिलेगा, जिससे आय में वृद्धि होगी.

मीन राशि: आपको अपनी आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए. कार्यस्थल पर आपको अपने काम में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आप अपने वरिष्ठों की सहायता से उन्हें दूर करने में सफल रहेंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

जाति जनगणना के नफा-नुकसान, सामाजिक न्याय को सच में नई उड़ान मिलती है या नहीं?

जाति जनगणना के नफा-नुकसान पर जागरण संपादकीय। क्या जाति जनगणना से सामाजिक न्याय को सच में नई उड़ान मिलेगी? ओबीसी जातियों को आरक्षण का लाभ लेकिन क्या यह सामाजिक विखंडन को बढ़ावा देगा? जाति जनगणना के राजनीतिक निहितार्थ और समाज पर इसके संभावित प्रभावों पर डा. एके वर्मा का आलेख पढ़िए।

मोदी मंत्रिमंडल ने जाति जनगणना कराने का अप्रत्याशित निर्णय लिया।लगभग सौ वर्षों बाद पूर्ण जाति जनगणना होगी।संभवत: 2031 तक हमें जातियों के प्रमाणिक आंकड़े मिल सकेंगे। अंतिम जाति जनगणना 1931 में हुई थी।भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही समय-समय पर इस मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण बदलती रही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस पर अपना रुख बदला है।अब विपक्षी दलों में जाति जनगणना के निर्णय का श्रेय लेने की होड़ है।मोदी ने यह फैसला तब लिया, जब विपक्षी दलों को इसकी बिल्कुल उम्मीद न थी।सबका ध्यान पहलगाम आतंकी हमले पर था और विपक्ष मोदी सरकार के साथ खड़ा था।इस निर्णय को बिहार के आगामी चुनावों से भी जोड़कर देखा जा रहा है, जहां तेजस्वी यादव और राहुल गांधी जातिगत जनगणना को अपना प्रमुख चुनावी एजेंडा बना कर मोदी-नीतीश को शिकस्त देना चाहते थे।ब्रिटिश काल में जब 1881 से 1931 तक जाति जनगणना हुई, तो उसे बंद क्यों किया गया और अब करीब सौ वर्षों बाद उसे पुन: शुरू क्यों किया जा रहा है? 1941 में भी जाति जनगणना हुई, पर उसके आंकड़े प्रकाशित नहीं हुए। स्वतंत्रता के बाद 1951 से 2011 तक आंशिक जाति जनगणना होती रही, जिसमें अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गणना की गई। 1941 जनगणना कमिश्नर एमडब्लूएम यीट्स ने जाति जनगणना को खचीर्ला, समय खपाऊ, सामाजिक विद्वेष पैदा करने वाली और डा आंबेडकर के जाति

विहीन समाज के मार्ग में अवरोध बताया था।जाति जनगणना से दलितों-आदिवासियों को कोई फर्क नहीं, क्योंकि उनकी गणना तो बराबर होती रही है, लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को लगता है कि अब उसे इसका लाभ होगा, पर किसी को नहीं पता कि ऐसा कैसे होगा? क्या जाति जनगणना केवल एक चुनावी दांव-पेच का खेल है और राजनीतिक दलों द्वारा समाज के एक बड़े वर्ग को साधने की कवायद है? बेशक जाति जनगणना से ओबीसी जातियों के भी आंकड़े मिल जाएंगे और आरक्षण के उपवर्गीकरण से उन्हें कुछ लाभ भी मिलेगा, लेकिन यह भविष्य बताएगा कि जातिवार गणना से सामाजिक न्याय को सच में नई उड़ान मिलेगी। यदि जाति जनगणना से ही सामाजिक न्याय की स्थापना होती, तो क्या एससी-एसटी समाज को वांछित सामाजिक न्याय मिल सका? यह सही है कि दलितों में एक-दो जातियों की स्थिति में बेहतरी आई है, लेकिन शेष सैकड़ों जातियों का क्या? यही स्थिति आदिवासियो में भी है।संविधान के अनुसार जनगणना का एकाधिकार संसद यानी केंद्र को प्राप्त है, पर बिहार, कर्नाटक आदि ने अपने-अपने यहां जाति सर्वेक्षण किया। यद्यपि उसमें पारदर्शिता का अभाव और राजनीतिक निहितार्थ थे।जिन राज्यों ने जाति सर्वेक्षण कर विभिन्न जातियों के आंकड़े प्राप्त किए, उन्होंने ऐसा कौन सा कदम ओबीसी की बेहतरी के लिए उठाया, जो बिना जातिगत आंकड़ों के संभव नहीं था? पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2011 में एक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराया, लेकिन उसके जातिगत आंकड़े प्रकाशित नहीं कर सके।तब गृहमंत्री चिदंबरम ने जाति जनगणना न कराने के कई कारण बताए थे, जैसे केंद्र और राज्य की अलग-अलग ओबीसी सूचियां होना, कई राज्यों में ओबीसी सूचियां न होना, कई जातियों का एससी और ओबीसी, दोनों में होना, मतांतरण कर ईसाई और इस्लाम अपनाने वालों की भिन्न-भिन्न राज्यों में अलग-अलग स्थिति होना, एक से दूसरे राज्यों में जाने वालों की भिन्न-भिन्न स्थितियां और अंतर धार्मिक विवाह से उत्पन्न बच्चों की अस्पष्टता। अब जब मंत्रिमंडल ने निर्णय ले ही लिया है, तो जनगणना आयोग को इन समस्याओं से निपटना पड़ेगा।इसमें सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि किसी भी नागरिक को अपनी जाति बताने की स्वतंत्रता है और उसके लिए उसे कोई प्रमाण नहीं दिखाना।क्या अब देश में लोक नीतियां जाति देख कर बनेंगी? क्या हर जाति और वर्ग के लिए बनी नीतियां हमें सामाजिक न्याय, बंधुत्व और एकता की ओर ले जा सकेंगी? क्या आरक्षण ही सामाजिक न्याय का एकमात्र संवाहक है? क्या जातियों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में देश के संसाधनों और सेवाओं का आवंटन हमारी समस्याओं का सही समाधान है? ऐसा तो कठोर साम्यवादी व्यवस्थाओं में भी नहीं है। जातियां हमारी सामाजिक संरचना का आधार हैं।इस संरचना में कुछ लचीलापन आया है और हम जातिवाद से निकलने की कोशिश कर रहे हैं, पर देखना होगा कि कहीं जाति जनगणना से इस प्रवृत्ति पर विराम न लगे और पदसोपनीय सामाजिक संरचनाएं और कठोर न हो जाएं, जो सामाजिक विखंडन को हवा दें।2011 की जनगणना से पता चला था कि देश में लगभग 46 लाख जातियां और उपजातियां हैं।जाति जनगणना और आरक्षण के समन्वय से किसी जाति समूह में असंख्य वंचित उप समूहों को भी सामाजिक-आर्थिक मुख्यधारा में आने का अवसर मिलेगा, जो उनके लिए सामाजिक न्याय को वास्तविकता बनाएगी, पर इससे उन नेताओं का खेल भी समाप्त होगा, जो जातिवादी राजनीति कर अपने जाति समूह के सभी लाभों पर किसी उपजाति का एकाधिकार स्थापित कर लेते हैं।क्या मुस्लिमों और ईसाइयों को भी जाति जनगणना के दायरे में लाया जाएगा? भले ही मुस्लिम नेता जातियों का अस्तित्व नकारें, पर सच्चर समिति के अनुसार मुस्लिम अशरफ, अजलाफ और अरजाल कही जाने वाली जातियों में बंटे हैं।आजकल पसमांदा (अजलाफ और अरजाल) मुस्लिम अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।ईसाइयों में भी दलित ईसाइयों की मांग है कि उन्हें भी अनुसूचित जाति माना जाए और तदनुसार सुविधाएं दी जाएं।जाति जनगणना के समर्थक नेताओं में यह चिंता है कि कहीं भाजपा जातिगत जनगणना से हिंदू समाज को एक करने के एजेंडे में न बदल दे।भाजपा का खुला एजेंडा है कि वह एक समावेशी, सशक्त और समृद्ध समाज चाहती है, लेकिन गैर-राजग पार्टियां विभिन्न सामाजिक समूहों की अस्मिता को बनाए रखकर उन्हें हिंदू समाज से बाहर रखना चाहती हैं।भविष्य ही बताएगा कि इन दोनों में कौन अपने एजेंडे में सफल होता है?

युवा देश के नौजवानों से आएगी विकास की वैचारिक क्रांति

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्रोत रहे हैं।उन्होंने कहा है की मुझे कुछ साहसी और ऊजार्वान युवा पुरुष मिल जाए, तो मैं देशभर में क्रांति ला सकता हूं स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और कर्तव्यों से युवा ऊजार्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और उन पर सदैव भरोसा करने वाली नीतियां बनाते आए हैं।और हमेशा युवाओं पर भरोसा किया है।स्वतंत्रता संग्राम में भी मंगल पांडे ,लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस आदि युवाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई थी।स्वतंत्रता के बाद भी भारत पर पाकिस्तान और चीन ने अनावश्यक आक्रमण कर भारत पर मानसिक दबाव डालना चाहा,पर भारत के नौजवान सैनिकों ने जिस साहस और वीरता के साथ सामना कर विजय प्राप्त की थी वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं आदर्श का कार्य है।कारगिल युद्ध में भी भारत के नौजवान अधिकारी, सैनिकों ने पाकिस्तान को हराकर एक विजय गाथा लिखी थी। पेरिस ओलंपिक में भी नीरज चोपड़ा ने सिल्वर, मनु भाकर ने दो ब्रांज और विनेश फोगाट ने सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन को हराकर भारत के युवा लोगों का दिशा दर्शन किया है।भारत के युवा गौरव की विजय गाथा किसी से छुपी नहीं है।भारत के युवा लोगों ने बुजुर्ग विद्वानों, दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देश भक्ति के अलावा अध्यात्म, धर्म, साहित्य, विज्ञान, कृषि तथा उद्योगों में पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है।भारत के युवाओं ने यूरोप में अपने परिश्रम और लगन इमानदारी से अपना परचम फैलाया है। मैक्स मूलर ने ली भारत की युवा शक्ति की सराहना करते हैं भारत को एक युवा इस निरूपित कर भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर इंगित किया है। भारत एक युवा राष्ट्र है ।और उसमें असीम संभावनाएं अंतर्निहित हैं ।वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को चिन्हित कर सभी युवाओं का आह्वान कर युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। और यही कारण है की युवा शक्ति के साहस और संकल्प में जापान ओलंपिक 2020 में 7 मेडल लाकर एक इतिहास रचा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी लिखा है कि

देखो हमारा विश्व में कोई नहीं उपमान था,
नरदेव थे हम और भारत देवलोक के समान था

भारत की महान उपलब्धियों में देश की युवा शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। आज आई, आई,एम, आई, आई,टी, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट तथा देश के अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े छात्र छात्राओं के शोध और अविष्कार के चलते भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा सोच और दृढ़ संकल्प लें भारत के युवाओं में एक ऊर्जा प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया है।यह अलग मुद्दा है कि स्वतंत्रता के बाद हमारी शिक्षा नीति ने लाखों बेरोजगार लोगों को जन्म दिया है ।बेरोजगारी के दंश ने युवा शक्ति को काफी पीछे धकेल दिया है। पर नई शिक्षा नीति के आने से युवा अपने रोजगार तलाशने की ओर आगे बढ़ रहे हैं।भारत की विशाल जनसंख्या एक बड़ा रुकावट का कारण भी है। और यदि युवा संकल्प लें तो अपना निजी उद्योग और निजी व्यवसाय कर के भारत राष्ट्र को एक नई दिशा तथा सन्मार्ग प्रदान कर सकते हैं।1979 में जयप्रकाश नारायण ने युवा शक्ति को लेकर एक बड़ा आंदोलन चलाया था। और बिहार में सत्ता परिवर्तन की हुआ था। हरिवंश राय बच्चन ने भी अपनी कविताओं में युवाओं को समझाइश दी थी,युग का युवा मत देख दाएं बाएं,झांक मत बगले, अगर कुछ देखना है,देख अपने वे वृषभ कंधे, जिन्हें देता चुनौती,सामने तेरे खड़ा है युग का जुआ।(यहां जुआ उस लकड़ी को कहते हैं जो हल चलाने के दौरान बैलों के कंधों पर रखी जाती है) सच में देश का युवा वर्ग जाग जाए और रचनात्मक कार्यों में जुड़ जाए तो देश को समृद्ध उन्नत होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें और हमारे युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विवेकानंद से सीख लेकर भारत को एक नए युग की ओर ले जाना चाहिए। क्योंकि भारत का 60% युवा इस देश में युग परिवर्तन और भारत की दशा और दिशा को अभिप्रेरित कर सकता है।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा है किखुद वो बदलाव बनिए, जो दुनिया में आप में देखना चाहतें है।

पत्रकारिता : चुनौती एवं भविष्य

विजय गर्ग

हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर यदि सामाजिक सरोकार रखने वाली निष्पक्ष पत्रकारिता तथा पीत पत्रकारिता के बारे में बात न हो,तो हिंदी पत्रकारिता दिवस की महत्वत्ता का आंकलन नही किया जा सकता। वर्तमान परिदृश्य में पीत पत्रकारिता की प्रबलता और स्वार्थसाधनी राजनीति निजी महत्वकांक्षा के चलते पत्रकारिता मिशन न रहकर व्यवसाय बन चुका है। स्वतंत्रता संग्राम की ध्वजावाहक रही हिंदी पत्रकारिता वर्तमान समय में अपना अस्तित्व खोने लगी है और यही कारण है कि हमें केवल हर वर्ष 30 मई के दिन ही हिंदी पत्रकारिता का महत्व पता चलता है।हिंदी पत्रकारिता दिवस को मनाने की सार्थकता,हिंदी पत्रकारिता को समझने और मानने से सिद्ध हो सकती है।वर्तमान परिदृश्य में जहाँ अंग्रेजी बोलना व पढ ?ा प्रतिष्ठा प्रतिक समझा जाने लगा है वहीं एक समय में हिंदी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता संग्राम में ध्वजवाहक का कार्य किया था। देश की कुल आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा आज भी हिंदी समाचार पत्र पढ़ता है परंतु दुर्भाग्य की बात यह है कि अंग्रेजी अखबार में छपने वाली खबर की प्रमाणिकता हिंदी समाचारपत्र की अपेक्षा अधिक मानी जाने लगी है। हालांकि आधुनिकता की दौड़ में हिंदी पत्रकारिता की प्राथमिकता कदाचित न हो परन्तु प्रजाति कदापि नहीं है। हिंदी माध्यम से जुड़े समाचारपत्रों और डिजिटल माध्यमों में अब हिंग्लिश का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिसके चलते इस आधुनिक दौर में हिंदी पत्रकारिता को बचाए रखने और पाठकों को हिंदी समाचार पत्रों के साथ जोड़े रखने के लिए अत्यधिक संघर्ष किया जा रहा है। पंडित जुगल किशोर और राजा राममोहन राय की ओर से सामाजिक सरोकार और निष्पक्ष पत्रकारिता का यह मिशन मूल उद्देश्य से अनिभिज्ञ दिखाई दे रहा है और यह सम्पूर्ण देश के लिए चिंता का विषय है।वर्तमान परिदृश्य में पत्रकारिता का स्वरूप एवं उसका महत्व बदल गया है। राजनैतिक महत्वाकांक्षा के चलते सूचना देने वाले विभिन्न माध्यमों में सामाजिक सरोकार की खबरें लगातार कम होती जा रही हैं। खबरों में सनसनी परोसना और टीवी चैनलों की दिशाहीन डिबेट की होड़ में प्रिंट मीडिया तथा विशेष रूप से हिन्दी पत्रकारिता को अस्तित्व की लड़ाई लड ?ी पड़ रही है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर समाचार पत्र के संपादकीय पृष्ठ की बात न करना न्यायसंगत नही होगा। एक समय था,जब किसी भी समाचार पत्र में संपादकीय उस समाचार पत्र आधार माना जाता था परंतु जब से पत्रकारिता की बागडोर बड़े-बड़े औद्योगिक घरानों के मालिकों के हाथों में गई है

तब से पत्रकारिता धीरे-धीरे सामाजिक सरोकार से दूर होते हुए एक व्यवसाय बनने की ओर अग्रसर हो चुकी है। हिन्दी शब्द से ही अपनत्व का भाव झलकता है।हिंदी हमारी मातृभाषा है मातृ अर्थात माँ के समान। जिस प्रकार एक मनुष्य की भावनाएं माँ से जुड़ी होती है और माँ से अपना दुख व सुख सरल रूप से व्यक्त कर सकते हैं ठीक उसी प्रकार हिंदी के माध्यम से हम अपनी हर वो बात प्रतियेक भारतीय से सांझा कर सकते हैं जो कदाचित किसी और भाषा में करना संभव न हो।हिंदी पत्रकारिता का प्रारंभ भी देश,समाज और व्यक्तिविशेष की भावनाओं व अपेक्षाओं को सांझा करने के लिए ही हुआ था।हिंदी पत्रकारिता दिवस प्रति वर्ष 30 मई को मनाया जाता है 30 मई 1826 को हिंदी भाषीय समाचार पत्र उदन्त मार्तण्डह्वसाप्ताहिक पत्र पंडित जुगल किशोर शुक्ल के द्वारा कलकत्ता से शुरू किया गया था और तब से इस तिथि को हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में विदित किया जाता है।निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकार आज भी उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। पंडित जुगल किशोर शुक्ल जी इस साप्ताहिक समाचार पत्र के संपादक व प्रकाशक स्वंम ही थे, पंडित जी का हिंदी पत्रकारिता जगत में विशेष सम्मान है। पेशे से अधिवक्ता जुगल किशोर जी मूल रूप से कानपुर के रहने वाले थे परन्तु उन्होंने उस समय औपनिवेशिक ब्रिटिश भारत में कलकत्ता को अपनी कर्मस्थली के रूप में चुना था।

हिंदी मेरी मां, मराठी मौसी, कुछ लोग... राज ठाकरे पर कृपाशंकर सिंह का निशाना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में इस साल कई नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों के संभावित चुनावों से पहले मराठा राजनीति एक बार फिर जोर पकड़ रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे का हिंदी विरोधी बयान भी जारी है। इसी बीच बिना किसी का नाम लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह ने मराठी भाषा विवाद पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारणों से मराठी और गैर-मराठी के बीच खाई पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी मेरी मां और मराठी मौसी है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने बृहन्नमुंबई नगरपालिका परिषद (बीएमसी) की सत्ता पर कब्जा जमाने के लिए रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा ने उत्तर भारतीय समुदाय को साधते हुए एक सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन उत्तर भारतीय संघ संस्था के जरिए किया गया। महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर भारतीय समाज ने मराठी-गैर मराठी के बीच सामंजस्य और एकता का संदेश दिया। दिलचस्प बात यह रही कि कार्यक्रम की शुरूआत मराठी भाषा में संबोधन से हुई। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा, 'हिंदी माझी आई, मराठी माझी मावशी (हिंदी मेरी मां है, मराठी मेरी मौसी है)।' कृपाशंकर सिंह ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोग चुनाव आते ही मराठी और गैर-मराठी के बीच खाई पैदा करना चाहते हैं।

चुनावों से पहले क्या मैंने कृषि रिण माफी का आश्वासन दिया था : अजित पवार

यह उल्लेख किये जाने पर कि यह आश्वासन महायुति गठबंधन ने दिया था, पवार ने जवाब दिया, क्या मैंने यह आश्वासन दिया था? क्या मैंने दिया था? इसके शीघ्र बाद बिना और कुछ बोले वह वहां से चले गए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले उन्होंने कृषि ऋण माफी का कोई आश्वासन नहीं दिया था। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस द्वारा महायुति सरकार पर किसानों को ऋण राहत देने के वादे से मुकरने का आरोप लगाने के बाद आई है। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में 288 में से 230 सीटों पर जीत हासिल की थी। पत्रकारों से बात करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने महायुति सरकार पर चुनावों से पहले किये गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, किसान मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और किसानों को कुछ राहत प्रदान करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। चुनावों से पहले सरकार ने कई वादे किये थे और आश्वासन दिए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद वह इस पर कुछ नहीं कर रही है। इसलिए, लोगों को लगता है कि उनके साथ धोखा हुआ है। पूर्व मंत्री ने कहा, सरकार कुछ क्षेत्रों में तो बहुत अधिक खर्च कर रही है, लेकिन किसानों की कर्जमाफी पर कोई फैसला नहीं लिया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य की मौजूदा सरकार किसानों को कोई राहत देने के लिए उत्सुक नहीं है। बाद में, जब पत्रकारों ने वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे पवार से थोराट की टिप्पणी के बारे में पूछा, तो उन्होंने इसका सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा, क्या मैंने चुनावों से पहले आपको रिण माफ का आश्वासन दिया था? यह उल्लेख किये जाने पर कि यह आश्वासन महायुति गठबंधन ने दिया था, पवार ने जवाब दिया, क्या मैंने यह आश्वासन दिया था? क्या मैंने दिया था? इसके शीघ्र बाद बिना और कुछ बोले वह वहां से चले गए। किसान नेता राजू शेट्टी ने भी राज्य सरकार की आलोचना की है और सोयाबीन एवं कपास जैसी मुख्य फसलों के लिए कम बाजार मूल्य सहित किसानों के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 04 मई, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का मुंबई सेंट्रल एवं माहिम स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा 03/04 मई, 2025 (शनिवार/रविवार) के बीच की मध्यरात्रि को मुंबई सेंट्रल और माहिम स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर 00.15 बजे से 04:15 बजे तक चार घंटे का जम्बो लिया जाएगा ।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को सांताक्रुज एवं चर्चगेट स्टेशनों के बीच स्लो लाइनों पर चलाया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है ।इसलिए, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 04 मई, 2025 को कोई दिवसकालीन कोई ब्लॉक नहीं रहेगा।

दिनांक 03.05.2025 को माननीय रेल मंत्री हडपसर (पुणे) झ जोधपुर एक्सप्रेस और एमजीआर चेन्नई सेंट्रल भगत की कोठी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करेंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, दिनांक 03.05.2025 को पुणे में हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस और एमजीआर चेन्नई सेंट्रल झ भगत की कोठी एक्सप्रेस के उद्घाटन को हरी झंडी दिखाएंगे।

हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस के उद्घाटन सेवा का विवरण इस प्रकार हैः

उद्घाटन ट्रेन संख्या 01401 हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस दिनांक 03.05.2025 को पुणे से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे जोधपुर पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01402 जोधपुर- पुणे एक्सप्रेस (वन वे स्पेशल) दिनांक 04.05.2025 को जोधपुर से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:00 बजे पुणे पहुंचेगी।

ठहरावः चिंचवड़, लोनावला, कल्याण, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा जंक्शन, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिण्डवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जंक्शन, पाली मारवाड़ और लूनी,

संरचनाः एक वातानुकूलित -2 टियर, चार वातानुकूलित -3 टियर इकॉनमी, 05 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर वैन।

उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय एवं ठहराव के लिए कृपया www.enquiryindianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

तुम लोगों में हिंदू कौन है... सवाल पूछने के बाद मुझे मार दी गोली

साइबर एक्सप्रेस

मुंबईः पहलगाम हमले को अपनी आंखों से देखने और गोली झेलने वाले इकलौते चश्मदीद सुबोध पाटिल ने बड़ा खुलासा किया है। श्रीनगर के अस्पताल में इलाज के बाद महाराष्ट्र लौटे रायगढ़ जिले के पनवेल निवासी सुबोध पाटिल के अनुसार शुक्रवार को हमले की आंखों देखी बताई। जीवित बचे पाटिल ने कहा, हमने अपने पीछे से कुछ आवाज सुनी, लेकिन उसे पहचान नहीं पाए। फिर हमने लगातार आवाजें सुनीं और लोगों को भागते देखा। हम डर गए, इसलिए हम भी भागने लगे। हमने देखा कि हमारे आगे कुछ लोग साथ बैठे हैं, इसलिए हम भी वहीं बैठ गए। एक आतंकवादी आया और बोला कि तुममें से कौन-कौन हिंदू हैं? खड़े हो जाओ।

रयान इंटरनेशनल स्कूल, चेंबूर ने रचे शैक्षणिक उत्कृष्टता के नये प्रतिमान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। रयान इंटरनेशनल स्कूल, चेंबूर ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए आईसीएसई परीक्षा में अपने विद्यार्थियों की असाधारण उपलब्धियों की बदौलत शैक्षणिक उत्कृष्टता के नये प्रतिमान रचते हुए शानदार सफलता का परचम लहराया है। यह जानकारी देते हुए रयान इंटरनेशनल स्कूल की वरिष्ठ शिक्षिका तथा मुंबई की सुपरिचित साहित्यकार श्रीमती प्रमिला शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में रयान इंटर नेशनल स्कूल, चेम्बूर का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। परिणाम घोषित होने पर विद्यालय में समारोहपूर्वक खुशियाँ मनाई गई। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से, शीर्ष अंक प्राप्तकताओं अदिति शाह, अवनी फोकमारे और रोहन सिंह ने क्रमशः 99.2%, 98.4% और 97.8% के प्रभावशाली अंक प्राप्त करते हुए असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया है। कुल 153 विद्यार्थियों के बैच में से, 28 छात्रों ने 95% और उससे अधिक अंकों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जबकि 32 छात्रों ने 90% से 94% तक अंक प्राप्त किये हैं। इसके अतिरिक्त, 48 छात्रों ने 80% से 89% के बीच, 32 छात्रों ने 70% से 79% के बीच और 13 छात्रों ने 60% से 69% के बीच अंक प्राप्त किये हैं, जो शैक्षणिक दक्षता के एक उत्कृष्ट स्पेक्ट्रम को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि रयान इंटरनेशनल स्कूल, चेंबूर शिक्षा के लिए एक पोषक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ विद्यार्थी न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास से भरे ज़िम्मेदार व्यक्तियों के रूप में विकसित होते हैं, जो समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे छात्र-छात्राओं की सफलता हमारी सम्मानित प्रबंधन टीम के अथक प्रयासों और समर्पण का प्रमाण है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को पोषित करने में दूरदर्शी नेतृत्व और अटूट समर्थन के लिए अध्यक्ष डॉ. ए. एफ. पिंटो और प्रबंध निदेशक ग्रेस पिंटो का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने बताया कि आईसीएसई परीक्षाओं में विद्यार्थियों का असाधारण प्रदर्शन रयान इंटरनेशनल स्कूल, चेंबूर की शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। विद्यालय के चेयरमैन ने सभी विद्यार्थियों को बधाइयाँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रकट की हैं।

रेलवे सेफ्टी पर जागरूकता फैलाने के लिए पश्चिम रेलवे को मिला 'छोटा भीम' का साथ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, जन जागरूकता और रेलवे सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल के तहत पश्चिम रेलवे छोटा भीम के साथ जुड़ गया है। पश्चिम रेलवे शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों के लिए छोटा भीम की दुनिया के प्रिय पात्रों का उपयोग करेगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक और छोटा भीम के निमार्ता, ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्री राजीव चिलाकलापुडी ने 2 मई, 2025 को जियो वर्ल्ड सेंटर, मुंबई में आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES) 2025 में लैटर ऑफ कोलेबरेशन पर हस्ताक्षर किए ।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे आम जनता के दिलों तक पहुँचने के लिए अपरंपरागत तरीका अपनाएगी। छोटा भीम और उसके परिवार के चरित्रों का उपयोग प्रिंट, डिजिटल, टेलीविजन, रेडियो और पोस्टर तथा स्कूल कार्यक्रमों जैसे भौतिक प्रतिष्ठानों सहित विभिन्न मीडिया प्रारूपों में एक वर्ष की अवधि के लिए किया जाएगा। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य रेलवे परिसर में रेलवे सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार पर आवश्यक संदेशों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने के लिए छोटा भीम फ्रैंचाइज की व्यापक अपील का लाभ उठाना है, विशेष रूप से युवा दर्शकों और परिवारों को लक्षित करना। उल्लेखनीय रूप से, छोटा भीम की राष्ट्रव्यापी और वैश्विक लोकप्रियता का बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है और उन्हें सकारात्मक रूप से प्रभावित करने की क्षमता है। पश्चिम रेलवे की पहल इन परिचित पात्रों को जनहित अभियानों में एकीकृत करके पहुंच और जुड़ाव बढ़ाने के लिए इस भावना के अनुरूप है। श्री विनीत ने आगे बताया कि यह साझेदारी रेलवे सुरक्षा शिक्षा को और अधिक आकर्षक और सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है। छोटा भीम और परिवार की मदद से, पश्चिम रेलवे को उम्मीद है कि इससे एक स्थायी प्रभाव पैदा होगा और बच्चों और आम जनता को शिक्षित किया जा सकेगा। यह सहयोग रचनात्मक आउटरीच के माध्यम से जन कल्याण को बढ़ावा देने के दोनों संगठनों के साझा लक्ष्य के अनुरूप है।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन

अगस्त क्रांति तेजस राजधानी एक्सप्रेस में स्थायी तौर पर एक एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सुविधा बढ़ाने और बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के लिए ट्रेन संख्या 12953/12954 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति तेजस राजधानी एक्सप्रेस में स्थायी तौर पर एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रीमियर राजधानी एक्सप्रेस अपनी गति, समयपालनता और उच्च गुणवत्ता वाली ऑनबोर्ड सेवाओं के लिए जानी जाती है, जो यात्रियों को मुंबई और दिल्ली के बीच तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का विकल्प प्रदान करती है। एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जुड़ने से इस ट्रेन की वहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और प्रतीक्षा सूची वाले अधिक यात्रियों को समायोजित करने में मदद मिलेगी, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों के लिए यात्रा के अवसर बेहतर होंगे। इस अतिरिक्त कोच में प्रति यात्रा लगभग 72 अतिरिक्त यात्री भी होंगे। इस ट्रेन में अतिरिक्त कोच जोड़ने का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 12953/12954 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति तेजस राजधानी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर कोच मुंबई सेंट्रल से 07 मई, 2025 से तथा हजरत निजामुद्दीन से 08 मई, 2025 से जोड़ा जाएगा।

ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पंकजा मुंडे को कॉल करके करता था गंदी बात, भेजता था अश्लील मेसेज, मुंबई पुलिस ने पुणे के युवक को किया गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र साइबर पुलिस पुणे के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। 25 साल का यह युवक भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे को अश्लील कॉल कर रहा था। इतना ही नहीं उसने पंकजा मुंडे को कई अभद्र मैसेज भी भेजे। पुलिस ने बताया कि युवक भोसरी का रहने वाला है। आरोपी की पहचान अमोल काले के रूप में हुई है। मामले की जानकारी देते हुए साइबर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंकजा मुंडे के कार्यालय ने अश्लील कॉल और मैसेज की शिकायत दर्ज कराई थी।

पश्चिम रेलवे
टैम्पिंग ट्रैक मापन सर्वेक्षण

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा **निविदा सूचना क्रमांक : बीसीटी/25-26/30 दिनांक 30.04.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान : स्वीकृत ट्रैक कार्य "विरार–जोरावासन–सीटीआर(पी)-6.53 टीकेएम, टीएसआर(पी)-25.00 टीकेएम और टीआरआर(पी)-0.52 टीकेएम" के संदर्भ में वरिष्ठ डीईएन/उत्तर, मुंबई सेंट्रल मंडल (पश्चिम रेलवे) के कार्यक्षेत्र अंतर्गत टिम्बल गेडो वोर्सिस ट्रॉली प्रणाली का उपयोग करते हुए टैम्पिंग से पूर्व एवं पश्चात ट्रैक मापन सर्वेक्षण. कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 81,48,079/- **ईएमडी** : रु. 1,63,000/- **जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 27.05.2025 को 15.00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय** : 27.05.2025 को 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0105

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धि पत्र-16/2025

निविदा सं. 50255120 RC जिसके खुलने की तिथि 16/05/2025 थी. जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/70/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी. इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं – **Tender No.:** 50255120-RC, **Description: From-** Existing **To-** Supply of Underground Railway jelly filled Telecom Quad cables of size 06 Quad having 0.9 mm conductor dia for Signaling and Telecom installation as per RDSO Specn.No. IRS:TC-30/2005 (Ver-I) (A mend. 1 to 5) RDSO Item ID: 3100047. Sub Item ID: 3100047001. [Warranty Period: 30 Months after the date of delivery]. अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in देखें।

(हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मध्य रेल
भुसावल मंडल

ई - निविदा आमंत्रण सूचना सं. :- भुसावल_ईलेक्ट_टीआरडी 35- 2025 दिनाक 29/04/2025.

भारत के महामहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीजनल बिजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्थाक्षरित ऑनलाइन ओपन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** जलंब यार्ड में डाउन रोड पर डेड एंड के प्रावधान और प्वाइंट नंबर 101ए और 101बी के शिफ्टिंग के संबंध में 25 केवी, सिंगल फेज, एसी ओएचई कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की लागत:** रु. 1,18,28,529.50. **बयाना राशि:** रु. 2,09,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय: 23.05.2025 up to 15:00 hrs.** अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: **www.ireps.gov.in**

सीनियर डिवीजनल बिजली इंजीनियर (क.वि.)
APEX-04 **मध्य रेल, भुसावल**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम मध्य रेल
निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी. (सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल, निम्नलिखित कार्यों **Tender No. KOTA/SNT/SIG/2025/03** के लिये निर्धारित ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय दर्शाया गया है। इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। **(1) टेण्डर सं:** कोटा/ एसएण्डटी/ सिग./2025/03 **कार्य का नाम:** एएमसी ऑफ इलेक्ट्रॉनिक इन्टरलॉकिंग सिस्टमस् ऑफ **''मेधा''** मेक इन्स्टॉल्ड ऑन कोटा डिवीजन फोर 03 इयर्स (09 स्टेशन्स)। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 2,15,61,195.60/- **बयाना राशि:** ₹ 2,57,800/- **तारीख एवं समय:** दिनांक 29.05.2025 को 15.00 बजे तक. पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया हैं। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई–टेण्डरिंग में भाग ले सकते हैं। सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय अपलोड किया जाना चाहिये। पंजीकृत निविदा एण्ड GSTIN रजिस्टर होना चाहिये।

(हस्ता.)
वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी. (समन्वय)
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मण्डल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम रेलवे
विद्युत (पॉवर) कार्य

वरि. डीईई/पी/बीसीटी द्वारा **ई-निविदा सूचना क्रमांक : ईएल-81-905-डब्ल्यूए-2 दिनांक : 25.04.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान : उकाई सोनगढ़ - जलगांव अनुभाग अंतर्गत डीईएन/पूर्व अनुभाग के अंतर्गत जंगयुक्त जल पाइपलाइन के प्रतिस्थापन तथा 04 नग ओएच आरसीसी टैंक, सूम्प, पंप रूम प्रदान करने के संदर्भ में विद्युत (पॉवर) कार्य. कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 61,57,484.00 **बोली सुरक्षा ईएमडी का मूल्य:** रु. 1,23,200.00 **जमा करने की तिथि एवं समय** : 23.05.2025 को 15.00 बजे तक **खोलने की तिथि एवं समय** : 23.05.2025 को 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0102

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
एनएफआर अनुबंधों हेतु ई-नीलामी

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-7	14.05.2025 को 14.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-DDR- BCA-52-25-2 (Misc-Static-Ser vices - Battery Operated Carts with Advertisement)	दादर (डीडीआर) स्टेशन पर बीओसी की बॉडी पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु अनुमति तथा संचालकों के साथ 02 (दो) बैटरी संचालित कार्ट्स (बीओसी) की आपूर्ति, संचालन और अनुरक्षण के कार्य हेतु ई-नीलामी.	1826	14.05.2025 14:30 hrs.

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0103

Like us on : facebook.com/WesternRly | Follow us on : twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
आकस्मिक देखभाल अनुबंध

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/29 दिनांक 30.04.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान** : चर्चगेट – 2 वर्षों अर्थात 730 दिवसों हेतु आउटसोर्सिंग के जरिए दैनिक आधार पर एसएसई (डब्ल्यू) सीसीजी के क्षेत्राधिकार अंतर्गत आकस्मिक देखभाल अनुबंध. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 2,06,53,657.65 **ईएमडी** : रु. 2,53,300/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 27.05.2025, 15.00 बजे तक **खुलने की तिथि एवं समय** : 27.05.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0104

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
फ्लेमलेस कुकिंग की व्यवस्था हेतु प्रावधान

उप मुख्य विद्युत अभियंता (डब्ल्यू), पश्चिम रेलवे कैरेज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्रमांक : ईएल/डब्ल्यूए/पीएल/2024-25/57 आमंत्रित की जाती है. कार्य का नाम एवं स्थान : पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों में उपलब्ध एसी आरए कोचेस में कार्य की रूपरेखा एवं दर सूची के अनुसार फ्लेमलेस कुकिंग की व्यवस्था का प्रावधान. मात्रा** : 20 आरए एसी कोचेस. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 90,28,512.00/- **जमा की जाने वाली बयाना रकम** : रु. 1,80,600.00/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय** : 20.05.2025 को 12.00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि व समय** : 20.05.2025 को 12.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0098

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/25/2025 दिनांक 29.04.2025

अ. क्र.	आइटम्स का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
207	4 एमएम डाया मैन्युअल मेटल	23308 किग्रा	26-मई-25
208	एम/एस फेवेले के अनुसार ब्रैकेट कम्प्लीट के साथ डम्प वॉल्व	368 नग	28-मई-25
209	डब्ल्यूएपी 7 एवं डब्ल्यूएजी 9 लोको एक्सल बॉक्स बेयरिंग हेतु गेडूस एस5 वी42 पी2.5 ग्रीस	3097 किग्रा	30-मई-25
210	एलएचबी टाइप कोचेस के गैंगवे हेतु वेस्टिब्युल बेलो कम्प्लीट (एलएच साइड)	251 नग	06-जून-25
211	ड्रॉ गियर हेतु रबर स्प्रिंग	3366 सेट	09-जून-25
212	केबीआई पार्ट नं. एसटीएन 25799/01 हेतु एलएचबी कोचेस के डब्ल्यूएसपी सिस्टम हेतु सर्किट बोर्ड ईबी01बी	64 नग	13-जून-25

विस्तृत सूचना ईएमडी, क्रय प्रतिबंध तथा विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** तथा **wr.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें. 0101

Like us on : facebook.com/WesternRly | Follow us on : twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे की ओर से अहमदाबाद ⇄ दानापुर के बीच विशेष गाड़ी का संचालन

गाड़ी क्र.	आरंभिक स्टेशन तथा गंतव्य	संचालन के दिवस	प्रस्थान	आगमन
09407	अहमदाबाद – दानापुर (साप्ताहिक)	06.05.2025 से 17.06.2025 तक	09.20 बजे (मंगलवार)	19.00 बजे (अगले दिन)
09408	दानापुर – अहमदाबाद (साप्ताहिक)	07.05.2025 से 18.06.2025 तक	22.30 बजे (बुधवार)	06.00 बजे (शुक्रवार)

ठहराव : नादियाड, छायापुरी, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी, मुरवाडा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी जं., पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में.

संयोजन : एसी 2- टीयर, एसी 3-टीयर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचेस.

गाड़ी क्र. 09189 मुंबई सेंट्रल – कटिहार साप्ताहिक विशेष को दि. 31.05.2025 तक विस्तारित किया गया है. इसी तरह, गाड़ी क्र. 09190 कटिहार-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक विशेष गाड़ी को 03.06.2025 तक विस्तारित किया गया है.

ठहराव, संयोजन और समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

उपरोक्त गाड़ियों को विशेष किराए पर विशेष गाड़ी के तौर पर संचालित किया जाएगा.

सभी पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर गाड़ी सं. 09407 के लिये बुकिंग और गाड़ी सं. 09189 के विस्तारित फेरों के लिये बुकिंग दि. 02.05.2025 से शुरू होगी.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

जनसेवक जनसंवाद' कार्यक्रम में निर्माण श्रमिकों को घरेलू बर्तन और सुरक्षात्मक किट वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विधायक संजय केलकर के जनसेवा जनसंवाद को नागरिकों अच्छा समर्थन मिल रहा है। शुक्रवार को नागरिक कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित होकर केलकर से मुलाकात की। विभिन्न शिकायतों के 68 विवरण प्राप्त हुए। जिसमें मनपा संबंधी, बांग्लादेशी, फेरीवाले, ठेले, चरई परिसर में पानी, राशनिंग कार्यालय, ठाणे नगर पुलिस स्टेशन, विविध अतिक्रमण, अनधिकृत निर्माण, नौकरी, अस्पताल, घरों के संबंध में डेवलपर्स द्वारा धोखाधड़ी, कराधान, स्कूल प्रवेश, व्यवसाय के लिए स्थान का प्रावधान जैसे विभिन्न विषयों ज्ञापन प्राप्त हुए। कार्यालय में ठाणे परिवहन सदस्य विकास पाटील, पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, पूर्व नगरसेवक नारायण पवार, भरत चव्हाण, सुनेश जोशी, सुरेश कांबले, ओंकार चव्हाण, दीपक जाधव, महेश कदम, सचिन शिनगारे और अलकेश कदम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। 'जनसेवा जनसंवाद' कार्यक्रम के माध्यम से सैकड़ों नागरिकों को न्याय मिला है। इस कार्यक्रम में युवा से लेकर वृद्ध तक सभी नागरिक भाग ले रहे हैं। इस बार विधायक केलकर द्वारा स्थापित अटल निर्माण एवं घरेलू संगठन, महाराष्ट्र राज्य के माध्यम से तथा सचिन शिनगारे के प्रयासों से निर्माण श्रमिकों को घरेलू बर्तन एवं सुरक्षात्मक किट वितरित किए गए।

राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के छात्रों को आरोग्य विश्वविद्यालय की पैथोलॉजी की गुणवत्ता सूची में प्रथम स्थान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने महाराष्ट्र स्वास्थ्य विश्वविद्यालय से पैथोलॉजी (फिजियोलॉजी) की राज्य गुणवत्ता सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। प्रथम स्थान डॉ. अश्विनी जेनिशा को मिला, दूसरा स्थान डॉ. पूजा कटारे और डॉ. सैली लखोटे को तीसरा स्थान मिला है। ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने शुक्रवार को तीनों छात्रों को सम्मानित किया। ठाणे मनपा के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज और छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ने शैक्षणिक वर्ष 2019 से महाराष्ट्र स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, नासिक से संबद्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इस पाठ्यक्रम के दूसरे बैच में कॉलेज के कुल छह छात्रों ने बॉडी पैथोलॉजी और सोशल मेडिसिन (सामुदायिक चिकित्सा) विषय में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। डॉ राकेश बारोट ने यह जानकारी दी। इनमें से कॉलेज के पांच छात्रों ने फिजियोलॉजी में राज्य गुणवत्ता सूची में शीर्ष 11 छात्रों में स्थान बनाया है। इनमें गुणवत्ता सूची में पहले तीन स्थान डॉ. अश्विनी जेनिशा, डॉ. पूजा कटारे और डॉ. शैली लखोटे को मनपा आयुक्त सौरभ राव ने सम्मानित किया। अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, उपायुक्त उमेश बिरारी, अधीक्षक डॉ. राकेश बारोट, चिकित्सा अधिकारी; डॉ. चेतना नितिल, उप-कुलपति (यूजी); स्वप्नाली कदम और उपाधीक्षक (पीजी) डॉ. मिलिंद उबाले, डॉ. दिनेश समेल, डॉ. शिवकुमार कोरी उपस्थित थे। वहीं, सामाजिक चिकित्सा की गुणवत्ता सूची में तीसरे स्थान पर रहे डॉ. अरुण कुमार को प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ जयलक्ष्मी नायर की ओर से उनका सम्मान डॉ. दिनेश समेल ने स्वीकार किया है। राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों से पैथोलॉजी के लिए 110 छात्र और सोशल मेडिसिन के लिए 118 छात्र बैठे। इस विषय की मेरिट सूची में राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के कुल छह छात्र शामिल हैं। पैथोलॉजी विषय की मेरिट सूची में डॉ. एस.के. चैताली बंगारे यान्ना ग्रीन जबकि डॉ. प्रियंका धाकरे को 11वां स्थान दिया गया है।

पैथोलॉजी की मेरिट सूची में शामिल छात्र और उनकी रैंक

1. डॉ. अश्विनी जेनिशा - प्रथम स्थान
2. डॉ. पूजा कटरे - दूसरा स्थान
3. डॉ. सैली लखोटे - तीसरा स्थान
4. डॉ. चैताली बनगारे - पांचवां स्थान
5. डॉ. प्रियंका धाकरे - ग्यारहवें नंबर

सामुदायिक चिकित्सा की मेरिट सूची में छात्र और रैंक

1. डॉ. जयलक्ष्मी नायर, तीसरा स्थान

फास्ट ट्रैक

दिनांक 03.05.2025 को माननीय रेल मंत्री हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस और एमजीआर चेन्नई सेंट्रल भगत की कोठी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करेंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, दिनांक 03.05.2025 को पुणे में हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस और एमजीआर चेन्नई सेंट्रल भगत की कोठी एक्सप्रेस के उद्घाटन को हरी झंडी दिखाएंगे।

हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस के उद्घाटन सेवा का विवरण इस प्रकार है:

उद्घाटन ट्रेन संख्या 01401 हडपसर (पुणे) जोधपुर एक्सप्रेस दिनांक 03.05.2025 को पुणे से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे जोधपुर पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01402 जोधपुर- पुणे एक्सप्रेस (वन वे स्पेशल) दिनांक 04.05.2025 को जोधपुर से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:00 बजे पुणे पहुंचेगी।

ठहराव: चिंचवड़, लोनावला, कल्याण, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा जंक्शन, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिण्डवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जंक्शन, पाली मारवाड़ और लूनी,

संरचना: एक वातानुकूलित -2 टियर, चार वातानुकूलित -3 टियर इकॉनमी, 05 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर वैन।

उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय एवं ठहराव के लिए कृपया www.enquiryindianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

जातिगत जनगणना के निर्णय पर भाजपा ने मनाया जश्न

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर ठाणे शहर में भाजपा सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए जश्न मनाया है। भाजपा ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ रेलवे स्टेशन के बाहर जश्न मनाया और नागरिकों को लड्डू बांटे। भाजपा ठाणे शहर जिला की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई और धन्यवाद देने के लिए रेलवे स्टेशन के बाहर सैटिस ब्रिज के नीचे एक समारोह आयोजित किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर और नृत्य करके अपनी खुशी व्यक्त की। पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, मुकेश मोकाशी, पूर्व वरिष्ठ नगरसेवक भरत चव्हाण, जिला महासचिव मनोहर सुगदरे, समीरा भारती, उपाध्यक्ष जयेंद्र कोली, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष स्नेहा पाटिल, वृषाली वाघुले, भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। आजादी के बाद से ही देश में विभिन्न समुदाय जाति जनगणना की मांग करते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लिया है।भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले ने बताया कि ओबीसी समुदाय के आंकड़े कभी नहीं दिए गए। भाजपा ने कभी भी जनगणना का विरोध नहीं किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बार-बार स्पष्ट किया है कि भाजपा जाति जनगणना का समर्थन करेगी। वाघुले ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि अब जाति जनगणना के साथ-साथ जनगणना भी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से जाति आधारित जनगणना कराने का फैसला किया है। मोदी सरकार की भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि इससे समाज में तनाव पैदा न हो। उन्होंने कहा कि इसी तरह मोदी सरकार ने 2019 में आर्थिक पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए आरक्षण देने का फैसला किया था। २2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने आश्वासन दिया था कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जाति जनगणना पर विचार किया जाएगा। उस समय जनगणना के लिए एक कैबिनेट समूह का भी गठन किया गया था। जातिगत जनगणना के बजाय, कांग्रेस सरकार ने सामाजिक और आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) कराई थी। हालाँकि, अधिक त्रुटियाँ पाए जाने के कारण ये आंकड़े जारी नहीं किये गये। भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया गया।

शिक्षा माध्यमिक विभाग ने घोषित की अनाधिकृत विद्यालयों की सूची

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे जिले के कुछ स्कूल सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त किए बिना अनधिकृत शैक्षणिक संस्थान चलाते पाए गए हैं। इसलिए अभिभावकों को प्रवेश लेने से पहले संबंधित स्कूल की मान्यता और पंजीकरण संख्या की जांच करनी चाहिए, ऐसा शिक्षा विभाग (माध्यमिक) ललिता दहीतुले ने आग्रह किया है। साथ ही अनाधिकृत स्कूलों की सूची जारी किया है।

ठाणे जिले में माध्यमिक अनाधिकृत विद्यालयों की सूची

1. आर.एन.इंग्लिश स्कूल, मौजे कोनगांव, भिवंडी, जिला.ठाणे
2. इंग्लिश प्राइमरी सेकेंडरी हायर सेकेंडरी स्कूल नवी वस्ती टेमघर भिवंडी
3. फकीह इंग्लिश स्कूल और जूनियर कॉलेज, न्यू गौरीपाड़ा, भिवंडी,
4. एस.एस. इंडिया हाई स्कूल दिवा (पूर्व)
5. श्री. विद्या ज्योति स्कूल, दावेले, ठाणे
6. कैम्ब्रिज इंग्लिश स्कूल, मानसी कॉम्प्लेक्स भोलेनाथ मुम्ब्रादेवी कॉलोनी रोड मुंब्रा जिला ठाणे
7. एस.एस. इंग्लिश हाई स्कूल, ईश्वरपार्क, मुंब्रादेवी मेडिकल के पास, मुंब्रादेवी रोड, दीवा (पूर्व)
8. ओमसाई इंग्लिश स्कूल, दतिवली रोड दिवा जिला ठाणे
9. पी.टी.आर.एस.डी.अंग्रेजी स्कूल , बाल्याणी टिटवाला ता.कल्याण
10. चेतना हिंदी विद्यामंदिर, कल्याण (ई), चक्की नाका, हाजी मलंग रोड, कल्याण (ई),
11. ओम साईं इंग्लिश स्कूल पिसवली
12. रेनबो इंटरनेशनल स्कूल, कॉसमॉस आर्केड, फेज-4, टीएमसी वाटरटैंक के पास, ब्रह्मानंद, ठाणे (पश्चिम), जिला.ठाणे - 400 607
13. शारदा इंग्लिश सेकेंडरी स्कूल
14. डी.आर.पाटिल इंग्लिश मीडियम स्कूल तुर्भे नवी मुंबई
15. अल मुनिहाज सेकेंडरी हाई स्कूल, बेलापुर, नवी मुंबई
16. ओईएस इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 12 वाशी नवी मुंबई

इन स्कूलों को माध्यमिक शिक्षा के लिए आवश्यक सरकारी मान्यता प्राप्त नहीं है। इसलिए, इन स्कूलों में छात्रों को प्रवेश देना अनुचित है और अभिभावकों को भविष्य में शैक्षणिक नुकसान से बचने के लिए सतर्क रहना चाहिए।

मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची संबंधित शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध है। ठाणे जिला परिषद के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे प्रवेश से पहले आधिकारिक स्कूलों की जानकारी जांच लें।

गंगा पर कोल्हुआ घाट से कंपनी घाट तक बनेगा पीपा

मिली मंजूरी, पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने पूजन के बाद शुरू कराया निर्माण

मिर्जापुर, मिर्जापुर में कोन विकास खंड के कोल्हुआ कंपनी घाट पर पीपा पुल का निर्माण कार्य शुक्रवार को शुरू हो गया। प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता जनार्दन यादव ने पूजन के बाद पीपा जोड़ने का काम शुरू करवाया। यह पुल नगर विधायक रत्नाकर मिश्र के प्रयास से स्वीकृत हुआ था। गाँव गरीब नेटवर्क के सलिल पांडेय ने कमिश्नर से पुल निर्माण की मांग की थी। इसके बाद प्रशासन ने कार्य को गति दी। वर्तमान में शास्त्री सेतु पर जाम या आवागमन प्रतिबंधित होने पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नए पीपा पुल के बन जाने से क्षेत्र के लोग सीधे कोल्हुआ घाट से डीएम आवास के पास होकर नगर में प्रवेश कर सकेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में सहायक अभियंता बाल कृष्ण पांडेय, अवर अभियंता प्रविण चौहान और अंजनी कुमार मौजूद रहे। भाजपा जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा कमलेश यादव, ठेकेदार संदीप तिवारी, शिवम दुबे, प्रभात कुमार चौबे और पंडित महेंद्र कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जातीय जनगणना पर कांग्रेस की धन्यवाद रैली

मिर्जापुर में कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को दिया इस फैसले का श्रेय

मिर्जापुर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के निर्णय पर शुक्रवार को धन्यवाद रैली निकाली। जिला कांग्रेस कार्यालय मिशन कंपाउंड में रैली से पहले सभा का आयोजन किया गया।

उल्हासनगर शहर में पानी और अन्य समस्याओं को लेकर मनपा के बाहर शिवसेना उबाठा पार्टी का जोरदार आंदोलन

- धनंजय बोड़ारे के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने मनपा गेट पर किया यज्ञ आहुति।
- पुलिसकर्मियों, मनपा कर्मचारियों और पार्टी कार्यकताओं के मध्य तीखी झड़प।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में पानी की समस्या और सामान्य जनता से जुड़ी अन्य अनेक समस्याओं को लेकर शुक्रवार 2 मई को शिवसेना उबाठा नेता धनंजय बोड़ारे के नेतृत्व में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के कार्यकताओं ने शुक्रवार को मनपा के मुख्य गेट पर जमकर हंगामा किया। आंदोलन के प्रारंभ में जलापूर्ति की समस्या को लेकर यूबीटी के प्रदर्शनकारियों ने मनपा के प्रवेश द्वार पर होम हवन कर अपना विरोध जताया तो मनपा सुरक्षागार्डों ने प्रवेश द्वार बंद कर दिया।इससे नाराज होकर पार्टी कार्यकताओं ने प्रवेश द्वार पर चढ़कर जबरन अंदर घुसने का प्रयास करने लगे। पुलिसकर्मी, सुरक्षा गार्डों और मनपा कर्मचारियों के साथ उद्धव शिवसेना के कार्यकताओं के बीच जमकर जोर आजमाईश हुई। माहौल इतना बिगड़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट की भी नौबत आ गई। अफरातफरी और तनाव का माहौल हो गया।

महात्मा फुले मंडी में सात मसाला मिलों को मनपा ने किया सील

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा ने महात्मा फुले मंडी के मसाला बाजार में सात मसाला मिलों को सील कर दिया है। स्थानीय नागरिकों और मंडी के सदस्यों ने मिलों में बड़ी मशीनों के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण की शिकायत की थी।

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने स्थानीय लोगों की शिकायतों पर कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। विभागीय उपायुक्त शंकर पटोले, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, सहायक आयुक्त (रियल एस्टेट विभाग) राजेश सोनवणे और नौपाड़ा के सहायक आयुक्त सोपान भैक ने मसाला मिलों का निरीक्षण किया। ये मिलें बाजार के बजाय औद्योगिक क्षेत्र में स्थित होंगी, क्योंकि इनमें बड़ी मशीनें लगी हैं। इन मशीनों से बहुत अधिक ध्वनि प्रदूषण होता था। लगभग 100 डेसिबल तक ध्वनि स्तर दर्ज किया गया। उन्होंने मार्च में ध्वनि प्रदूषण नोटिस भी जारी किया था, फिर भी ये मिलें चल रही थीं। उपायुक्त शंकर पटोले ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन न करने के कारण इन्हें सील कर दिया गया है।

लालगंज में मजदूर दिवस पर विशेष कार्यक्रम

100 दिन काम करने वाले मनरेगा श्रमिक समेत कई कर्मचारियों को मिला सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, मिर्जापुर के लालगंज विकासखंड में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। खंड विकास अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने कई श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया।

मनरेगा में 100 दिन का रोजगार पूरा करने वाले मजदूरों को विशेष सम्मान दिया गया। थरपरसिया गांव के पंचायत सहायक शुभम दुबे, मेढरा के कमलजीत तिवारी और बरडीहा के ज्ञानेश्वर पाल को सम्मानित किया गया। आवास निर्माण में उत्कृष्ट कार्य के लिए ग्राम सचिव कौशल गिरी और उदय प्रकाश को प्रशस्ति पत्र मिला। फार्मर रजिस्ट्री में एडीओ एजी संजय पटेल को सम्मान मिला। आईजीआरएस में गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए वरिष्ठ सहायक आशीष मिश्रा को प्रशस्ति पत्र दिया गया। शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में पांच ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। चितांग के सुरेंद्र यादव, लालापुर की सावित्री देवी, नादौली करौंदी के राजकरण पटेल, अतरैला राजा के डॉ. महानारायण और रेही गांव की कुसुम दुबे को सम्मान मिला। एनआरएलएम के ब्लॉक मिशन प्रबंधक विमल कुमार और सफाई कर्मी राम आश्रय को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया।

बिजली विभाग में दो जूनियर इंजीनियर निलंबित

स्मार्ट मीटर लगाने में लापरवाही का आरोप, संगठन ने कहा- गलत रिपोर्ट पर कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शम्भु कुमार ने दो अवर अभियंता जगजीवन राम और अजय दुबे को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी में कथित लापरवाही के आरोप में की गई है। मिर्जापुर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। अब तक लगभग 35 हजार मीटर बदले जा चुके हैं। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामजी सिंह ने इस कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर की क्यूसी3 अप्रूवल की जिम्मेदारी अधिशासी अभियंता वितरण और सहायक अभियंता परीक्षण की होती है। प्रक्रिया के अनुसार, स्मार्ट मीटर एजेंसी जीएमआर द्वारा क्यूसी1 और क्यूसी2 अप्रूवल के बाद ही मामला विभागीय अधिकारियों के पास जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में अवर अभियंताओं की कोई भूमिका नहीं है। ऑनलाइन पोर्टल पर केवल नए मीटर की फोटो, पुराने मीटर की फोटो, आर्मर्ड केबल की फोटो और सीलिंग प्रमाण पत्र अपलोड किए जाते हैं। जूनियर इंजीनियर संगठन ने निलंबन आदेश पर पुनर्विचार के लिए पत्र सौंपा है। इस सप्ताह निर्णय आने की संभावना है। न्याय न मिलने पर संगठन आंदोलन की तैयारी कर रहा है। निलंबन अवधि में दोनों अवर अभियंताओं को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

वक्फ विकास निगम के निदेशक पहुंचे तिलहर

दरगाह पर की चादरपोशी, मुस्लिम समाज से अफवाहें न फैलाने की अपील

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश वक्फ विकास निगम के निदेशक शफात हुसैन ने तिलहर नगर का दौरा किया। उन्होंने हजरत सैयद शाह शमसुद्दीन मियां की दरगाह पर चादर पेश की। इस दौरान उन्होंने देश की तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। दरगाह के सज्जादानशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां और अच्छन मियां ने दस्तार बंदी के साथ निदेशक का स्वागत किया। इसके बाद सज्जादा नशीन के आवास पर मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात हुई। निदेशक ने वक्फ बिल को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार का वक्फ बिल मुस्लिम समाज के हित में है।

नाबालिग ने माता-पिता के खिलाफ थाने में दी शिकायत

13 साल की लड़की की जबरन शादी कराने का आरोप, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

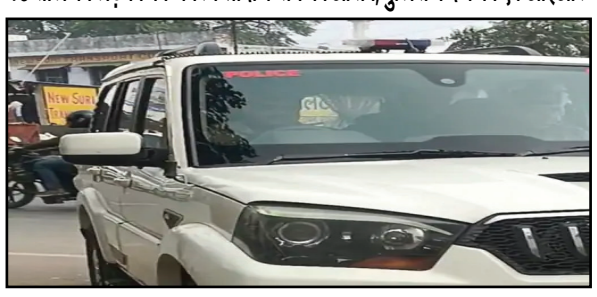

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। थाना परौर क्षेत्र की 13 वर्षीय लड़की ने अपने माता-पिता के खिलाफ जबरन शादी कराने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में दी गई शिकायत में बताया कि उसके माता-पिता ने परौर क्षेत्र के एक युवक से उसकी शादी तय कर दी। 16 अप्रैल को कांट थाना क्षेत्र के एक घर में उसकी शादी कराई गई। पीड़िता का कहना है कि उसने माता-पिता को अपनी उम्र के बारे में बताया, लेकिन फिर भी उन्होंने जबरन शादी करा दी।शादी की सभी रस्में उसी घर में पूरी की गईं और उसके बाद लड़की को विदा भी करा दिया गया। पीड़िता ने शादी कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

प्रेस फ्रीडम इंडेक्स- 180 देशों में भारत 151 रैंकिंग पर

चीन में मीडिया की हालत अफगानिस्तान से भी खराब; ग्लोबल मीडिया पर राजनीतिक दबाव

एजेंसी

पेरिस, पेरिस स्थित इंटरनेशनल एनजीओ रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरडब्ल्यूबी) की 2025 के वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत को 180 देशों में 151वीं रैंकिंग पर रखा गया है। इस लिस्ट में पिछले साल भारत की रैंकिंग 159 थी। इंडेक्स में इरीट्रिया सबसे निचले पायदान पर और नॉर्वे पहले पायदान पर है। भूटान, पाकिस्तान, तुर्किये, फिलिस्तीन, चीन, रूस, अफगानिस्तान, सीरिया और उत्तर कोरिया को भारत से नीचे रखा गया है। फंडिंग की कमी से जूझ रहा है दुनिया भर का मीडिया आरडब्ल्यूबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स के आज तक के इतिहास में इकोनॉमिक इंडिकेटर अपने सबसे निचले स्तर पर है। दुनिया भर का मीडिया फंडिंग की कटौती से जूझ

रहा है। इंफर्मेशन के संसाधनों पर गूगल, एपल, फेसबुक, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी टेक कंपनियों के दबदबे की वजह से मीडिया को और ज्यादा आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले जो विज्ञापन मीडिया आउटलेट्स को मिलते थे अब उनका एक बड़ा हिस्सा इन टेक प्लेटफॉर्म्स को मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों में मीडिया पर पॉलिटिकल नेताओं का कंट्रोल है। लेबनान, भारत, आर्मेनिया और बुल्गारिया जैसे देशों में मीडिया आउटलेट्स नेताओं और बिजनेसमैन से मिलने वाली सशर्त फंडिंग की वजह से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं। अमेरिका की रैंकिंग 2 पायदान फिसली रिपोर्ट में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद अमेरिका में प्रेस की स्थिति में गिरावट आई है। इंडेक्स में अमेरिका 57वें पायदान पर है, जबकि पिछले साल उसकी रैंकिंग 55 थी। वो 42 देश, जहां दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी रहती है वहां प्रेस की स्थिति ₹बहुत गंभीर₹ है। इन देशों में प्रेस को लगभग न के बराबर आजादी है। यहां पत्रकारिता करना खतरे से खाली नहीं है। गाजा जंग में 200 से ज्यादा पत्रकारों की मौत रिपोर्ट में करीब 18 महीने से जंग से जूझ रहे फिलिस्तीन को 163वें पायदान पर रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में इजराइली सेना ने कई न्यूजरूम को पूरी तरह तबाह कर दिया है। 2023 में लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक गाजा में 200 से ज्यादा पत्रकार मारे जा चुके हैं।

दूसरी तरफ चीन और वियतनाम जैसे देशों में मीडिया पर सरकार का या फिर सरकार के जुड़े संगठनों का कंट्रोल है। जो लोग स्वतंत्र पत्रकारिता करते हैं उन्हें लगातार खतरे का सामना करना पड़ता है।

ट्रम्प ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र का राजदूत बनाया

एनएसए के पद से हटाया; विदेश मंत्री मार्को रूबियो को कार्यकारी एनएसए बनाया

एजेंसी

वॉशिंगटन, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज ऐलान किया कि वह माइक वाल्ट्ज को अमेरिका का नया संयुक्त राष्ट्र राजदूत बना रहे हैं। माइक वाल्ट्ज अभी तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। इसके साथ ही ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की भी जिम्मेदारी दे दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, माइक वाल्ट्ज जल्दी ही अपनी पोस्ट छोड़ने वाले थे। यह ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पहला बड़ा बदलाव है। एक सूत्र ने बताया कि इस हफ्ते की शुरूआत में वाल्ट्ज को साफ कह दिया गया था कि अब उनका समय

खत्म हो गया है। वाल्ट्ज को उस समय आलोचना का सामना करना पड़ा जब उन्होंने गलती से एक पत्रकार को उस चैट ग्रुप में जोड़ लिया, जिसमें सीक्रेट मिलिट्री प्लानिंग पर चर्चा हो रही थी। यह एक बड़ी राजनीतिक चूक थी और माना जा रहा है कि यह मुद्दा उनके संयुक्त राष्ट्र पद की पुष्टि के दौरान उठ सकता है। फ्लोरिडा से पूर्व सांसद वाल्ट्ज ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस छोड़ने वाले पहले सीनियर अफसर हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में चार एनएसए बदले थे। पहले सलाहकार जनरल मैकमास्टर सिर्फ 22 दिन ही पद पर रह पाए थे। रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने 15 मार्च को यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले के प्लान को 2 घंटे पहले सिग्नल ऐप पर एक सीक्रेट ग्रुप चैट में शेयर किया था।

इस ग्रुप को माइक वाल्ट्ज ने बनाया था। इसमें द अटलांटिक मैगजीन के मुख्य संपादक जैफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे। साथ ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी शामिल थे। जेफ्री गोल्डबर्ग ने बताया कि उन्हें गलती से इस ग्रुप चैट में जोड़ दिया गया था। यह ग्रुप सिक्योर मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर बनाया गया था। जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने बनाया था। गोल्डबर्ग ने लिखा कि 15 मार्च को सुबह 11:44 बजे हेगसेथ ने यमन पर होने वाले हमलों की जानकारी शेयर की थी। इसमें टारगेट्स और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों के अलावा कौन-सा हमला कब और कहां किया जाना है, इसकी जानकारी भी थी। माइक वाल्ट्ज को चीन-ईरान का विरोधी और भारत समर्थक माना जाता है। वे चीन पर अमेरिका की निर्भरता कम करने से जुड़े कई विधेयकों का समर्थन कर चुके हैं।

बिलावल भुट्टो ने आतंकवाद को पालने की बात कबूली

कहा– पाकिस्तान का एक इतिहास है, यह किसी से छुपा नहीं; रक्षामंत्री भी कबूल चुके हैं

एजेंसी

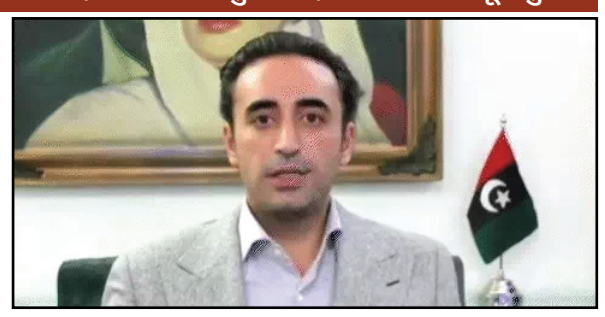

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो ने आतंकवाद को पालने की बात कबूली है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए बिलावल ने माना कि पाकिस्तान ने पश्चिमी देशों के साथ मिलकर आतंकी संगठनों को बढ़ावा दिया है। बिलावल का यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद आया है। बिलावल से पहले आसिफ भी आतंकवाद को बढ़ावा देने की बात कबूल चुके हैं। पाकिस्तान के रक्षामंत्री पिछले हफ्ते एक बयान में कहा था कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह ह्यगंदा कामह्न कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने ब्रिटिश अखबार द स्काई को दिए इंटरव्यू में यह बातें कही थीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है? इस पर उन्होंने कहा था कि दुनिया की बड़ी ताकतों ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया है। उन्होंने माना कि अगर हम, सोवियत यूनियन के खिलाफ जंग में शामिल नहीं होते और 9/11 के हमलों के बाद जो हालात बने, वो न बनते तो पाकिस्तान का रिकॉर्ड बेदाग होता। बिलावल ने गुरुवार को एक बार फिर सिंधु में खून बहाने की धमकी दी। एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने कहा कि हम जंग नहीं चाहते हैं, लेकिन अगर उन्होंने सिंधु पर हमला किया तो इससे पानी बहेगा या खून बहेगा। बिलावल ने इससे पहले पिछले हफ्ते शुक्रवार को एक रैली में कहा था कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या उनका खून। दरअसल भारत ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को रोक दिया है। पाकिस्तान ने भारत के इस कदम को एकतरफा बताते हुए फैसले का विरोध किया है। पहलगाम हमले को लेकर भारत की तरफ से पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता खत्म करने के बाद पाकिस्तानी मंत्री और अधिकारी लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। बीते एक हफ्ते में पाकिस्तान की तरफ से दिए गए कुछ विवादित बयान... मुनीर ने शनिवार 26 अप्रैल को टू-नेशन थ्योरी पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमान और हिंदू दो अलग-अलग राष्ट्र हैं। मुनीर खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी (पीएमए) में कैडेट्स की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं- धर्म, रीति-रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं। हमारे पूर्वजों ने पाकिस्तान बनाने के लिए बहुत बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। शहबाज शरीफ ने शनिवार 26 अप्रैल को पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में एक परेड को संबोधित करते हुए कहा कि कहा कि पहलगाम हमले का आरोप लगाकर पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। पहले भी पाकिस्तान पर ऐसे हमले के आरोप लगाए जाते रहे हैं। इसे पूरी तरह से बंद किया जाना जाहिए।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स फ्री दर्जा खत्म करेंगे-ट्रम्प

कहा- वे इसी के हकदार; 2.2 अरब डॉलर की मदद पहले ही रोक चुके हैं

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स फ्री संस्थान का दर्जा खत्म करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वे इसी के हकदार हैं। इससे पहले हार्वर्ड की 2.2 अरब डॉलर फंडिंग पर रोक लगा चुके हैं। दरअसल ट्रम्प प्रशासन ने यूनिवर्सिटी से यह मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी

घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपे। प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए।

यूनिवर्सिटी ने इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में केस भी किया है। यूनिवर्सिटी का आरोप है कि ट्रम्प सरकार राजनीतिक दबाव बनाकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा था।

हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स का आरोप है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। कोर्ट में दायर याचिका में ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को एक चिट्ठी भेजी थी।

मंगलुरु में हिन्दू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या से तनाव बढ़ा, भारी फोर्स तैनात, पूरे शहर में निषेधाज्ञा लागू

एजेंसी

हिंदुत्व कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद बढ़ते तनाव के बीच, मंगलुरु पुलिस ने शुक्रवार से 6 मई तक पूरे शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। शेट्टी, एक ज्ञात उपद्रवी और हिंदुत्व कार्यकर्ता, को मंगलुरु शहर के बाजपे पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर गुरुवार देर शाम अज्ञात हमलावरों के एक समूह ने मार डाला।

हिंदुत्व कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद बढ़ते तनाव के बीच, मंगलुरु पुलिस ने शुक्रवार से 6 मई तक पूरे शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। शेट्टी, एक ज्ञात उपद्रवी और हिंदुत्व कार्यकर्ता, को मंगलुरु शहर के बाजपे पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर गुरुवार देर शाम अज्ञात हमलावरों के एक समूह ने मार डाला। गुरुवार शाम लगभग 8:30 बजे, सुहास शेट्टी अपने पांच सहयोगियों - संजय, प्रज्वल, अन्विथ, लतीश और शशांक के साथ यात्रा कर रहे थे, जब किन्नीपदावु क्रॉस के पास हमलावरों के एक समूह ने उनके वाहन को रोक लिया।

सुहास शेट्टी की सरेराह तलवार और बांके से काटकर हत्या

हमलावरों की संख्या करीब छह थी, जो स्विफ्ट कार और पिकअप ट्रक में सवार थे। उन्होंने शेट्टी और उनके समूह पर घात लगाकर हमला किया, उन पर घातक हथियारों से हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। एजे अस्पताल ले जाए जाने के बावजूद शेट्टी ने अपने घावों के कारण दम तोड़ दिया। पुलिस ने तब से हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

हिंदूवादी कार्यकर्ता की हत्या के बाद मंगलुरु में निषेधाज्ञा लागू

मंगलुरु के निकट सुरथकल में जुलाई 2022 में हुई हत्या के एक मामले के मुख्य आरोपी एवं हिंदूवादी कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद बढ़े तनाव के बीच पुलिस ने शुक्रवार से छह मई तक पूरे शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। कुख्यात बदमाश शेट्टी की बृहस्पतिवार देर शाम मंगलुरु शहर के बाजपे पुलिस थाना क्षेत्र में एक अज्ञात समूह ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस घटना के बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत मंगलुरु शहर पुलिस थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। शहर पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल की ओर से जारी आदेश में जनसभाएं, बैठकें, रैलियां एवं नारेबाजी करने और ऐसी वस्तुओं को ले जाने पर रोक लगाई गई है

सुप्रीम कोर्ट ने रोका 6 पाकिस्तानी नागरिकों का डिपोर्टेशन

फैमिली का दावा- हमारे पास भारतीय नागरिकता-पासपोर्ट, सरकार ने कहा- वीजा पीरियड से ज्यादा रुके

भारत सरकार ने 25 अप्रैल को पाकिस्तानी नागरिकों के देश से जाने के आदेश को लेकर नोटिस जारी किया था। इसमें लॉन्ग टर्म, डिप्लोमैट्स और ऑफिशियल वीजा को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों को जारी सभी तरह के वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए थे।

एजेंसी

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को श्रीनगर के अहमद तारिक बट्ट के परिवार के 6 सदस्यों को पाकिस्तान डिपोर्ट करने पर रोक लगा दी। कहा- 'जब तक इन लोगों के आइडेंटिटी डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई नहीं हो जाते, तब तक उनको डिपोर्ट नहीं किया जाए।' दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने देश में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया था। बट्ट परिवार को भी देश छोड़ने का नोटिस मिला। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने परिवार को यह स्वतंत्रता दी कि यदि वे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आदेश से खुश नहीं हैं तो जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। कोर्ट ने ये भी कहा है कि इस मामले में दिया कोर्ट का आदेश मिसाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए।

बट्ट: मैं 1997 में अपने पिता के साथ भारत आया था, उनके पास पाकिस्तानी पासपोर्ट था। श्रीनगर पहुंचने पर पिता ने पाकिस्तानी पासपोर्ट जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में जमा कर दिया। फिर भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन किया, जो मिल गया था।

बट्ट: मेरे उनके परिवार के अन्य सदस्य 3 साल बाद यानी 2000 में श्रीनगर पहुंचे थे। मेरी और मेरे-बहन की एजुकेशन भी यहीं से हुई है। सभी के पास भारतीय नागरिकता है, पासपोर्ट है, आधार कार्ड और दूसरे डॉक्यूमेंट्स हैं। सरकार के भेजे नोटिस में झूठा कहा गया है कि हम वीजा पर भारत में आये थे और निर्धारित अवधि से अधिक समय तक यहां रुके थे। 24 अप्रैल से लेकर 29 अप्रैल की शाम 5 बजे तक अटारी-वाघा बॉर्डर के से 786 पाकिस्तानी वापस लौटे। के मुताबिक 28 अप्रैल तक एक हजार से ज्यादा भारतीय पाकिस्तान से स्वदेश लौटे थे। 29 अप्रैल को पाकिस्तानी नागरिकों को जारी मेडिकल वीजा की वैधता भी खत्म हुई केंद्र सरकार ने 27 अप्रैल को आदेश जारी कर रहा था कि डेडलाइन में भारत नहीं छोड़ने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार कर केस चलाया जाएगा। उन्हें तीन साल जेल या तीन लाख रुपए जुमार्ना या फिर दोनों की सजा हो सकती है।

सिद्धरमैया का दावा, मुझे धमकी भरे फोन आए

पुलिस से दोषियों का पता लगाने को कहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि मंगलुरु में बदमाश सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल अपराधियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाए और उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए।

एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को खुलासा किया कि उन्हें भी धमकी भरे फोन कॉल आए हैं और उन्होंने पुलिस को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए सतर्क कर दिया है। सिद्धारमैया ने मंड्या में संवाददाताओं से कहा, मुझे भी धमकी भरे फोन आए हैं, क्या किया जा सकता है? मैंने इस मामले में पुलिस को सूचित कर दिया है कि इसके पीछे कौन है, इस पर कार्रवाई की जाए। हां, मुझे धमकी भरे फोन आए हैं। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को कथित तौर पर धमकी भरे फोन आने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सिद्धारमैया ने यह बात कही।मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि मंगलुरु में बदमाश सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल अपराधियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाए और उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए। सिद्धरमैया ने कहा कि उन्हें अभी तक हत्या का कारण पता नहीं चला है। उन्होंने कहा, उसके (शेट्टी) बारे में कहा जाता है कि वह एक गुंडा था।

जाति जनगणना को लेकर बोले तेजस्वी यादव यादव, पिक्चर अभी बाकी है

बीजेपी आरएसएस पर साधा निशाना

राजद नेता ने कहा कि उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी/भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में बेशर्म हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे। कितने खोखले लोग है ये?

एजेंसी

बिहार में जाति जनगणना को लेकर राजनीतिक वाकयुद्ध बढ़ता जा रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मजबूरी में लिया गया निर्णय बताया है। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर लिखा कि जातिगत जनगणना तो शुरूआत है, पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने आगे लिखा कि पिछड़ों/अति पिछड़ों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र, निजी क्षेत्र में आरक्षण, ठेकेदारी में आरक्षण, न्यायपालिका में आरक्षण, मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को लागू करेंगे, आबादी के अनुपात में

आरक्षण देंगे, बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा, बिहार के लिए विशेष पैकेज। राजद नेता ने कहा कि उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी/भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में बेशर्म हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे। कितने खोखले लोग है ये? वहीं, पटना में मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि यह कदम भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्वैच्छिक पहल नहीं है, बल्कि यह जनता के बढ़ते दबाव का नतीजा है। तेजस्वी ने कहा, यह कोई फैसला नहीं है, यह मजबूरी है। उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था। हम इस मुद्दे को सालों से उठा रहे हैं उन्होंने आगे कहा, भले ही उन्होंने जनगणना की घोषणा कर दी हो, लेकिन अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब शुरू होगी। और इसे परिसीमन प्रक्रिया से पहले पूरा किया जाना चाहिए ताकि लोकसभा और विधानसभा सीटों का आवंटन अद्यतन आंकड़ों के आधार पर किया जा सके। इस बीच, बिहार कांग्रेस के नेताओं ने तेजस्वी यादव की भावना को दोहराया और जाति जनगणना के फैसले का श्रेय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रयासों को दिया। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने राहुल गांधी की तस्वीर पर दूध चढ़ाकर प्रतीकात्मक रूप से अपनी बात रखी और कहा, जिसकी जितनी संख्या, उसका उतना हिस्सा' के नारे ने देश में सामाजिक समानता की उम्मीद जगाई है।

संक्षेप

खेत से लौट रही महिला पर कुल्हाड़ी-फरसे से हमला

पुरानी रंजिश में पिता-पुत्र समेत दो ने किया वार, 8 घंटे में तीन गिरफ्तार

सुलतानपुर, जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के चोरमा गांव में गुरुवार शाम करीब 7 बजे एक महिला पर पुरानी रंजिश में हमला किया गया। राजमती पत्नी रामजी गन्ने की बुवाई करके खेत से घर लौट रही थी। इस दौरान गांव के दयाराम ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने कुल्हाड़ी और फरसे से वार किया। पीड़िता की आवाज सुनकर उसका देवर बचाने पहुंचा। हमले में महिला और उसका देवर दोनों घायल हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एक ही परिवार के पिता-पुत्र और दो बेटियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 8 घंटे के भीतर दो महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में दयाराम (60) वर्ष पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम चोरमा, दलपत सहाय का पुरवा और दो महिला आरोपी शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

बोलेरो की टक्कर से महिला घायल

सुल्तानपुर रेफर, पति को मामूली चोटें

सुलतानपुर, चांदा कोतवाली क्षेत्र के ढाखापुर गांव के पास फोरलेन पर सड़क हादसा हुआ। बदलापुर से घर लौट रहे दंपति की बाइक को एक बोलेरो ने टक्कर मार दी। चांदा के दरबरपुर निवासी अरविंद गुप्ता अपनी पत्नी सरोज गुप्ता के साथ बाइक पर सवार थे। ढाखापुर के पास बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में सरोज गुप्ता को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल को प्रतापपुर कमैचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सरोज की हालत को देखते हुए उन्हें सुल्तानपुर रेफर कर दिया।

मेधावी छात्रों का सम्मान

हाईस्कूल-इंटर टॉपर्स को टैबलेट, साइकिल और स्टडी टेबल से नवाजा

सुलतानपुर, राममनोर्थ इंटर कॉलेज शफीपुर में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टॉप-10 छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली आकृति यादव को टैबलेट, स्मृति चिह्न और मेडल दिया गया। द्वितीय स्थान पर रहीं प्रांजलि यादव को टैबलेट और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली दिव्या प्रजापति को बैग और स्टडी टेबल दिया गया। हाईस्कूल में टॉपर शिवम यादव को साइकिल और मेडल से सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त अंशिका यादव को बैग, स्टडी टेबल और किताबें दी गईं। तृतीय स्थान पर रहीं आयुषी यादव को बैग और स्टडी टेबल से नवाजा गया।

गर्लफ्रेंड का हाथ पकड़कर ट्रेन के आगे कूदा

मां बोली- लड़की के लिए मुझे छोड़कर चला गया, अब कैसे जीऊंगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

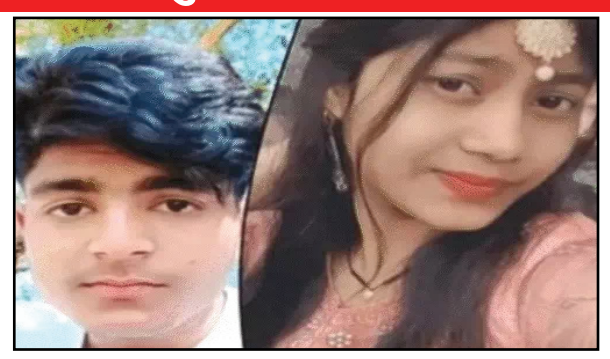

प्रयागराज, 'मैंने बेटे को बहुत लाड-प्यार से पाल-पोसकर बड़ा किया। एक लड़की की खातिर मां को छोड़कर चला गया। एक बार भी नहीं सोचा कि उसके बाद मैं कैसे जीऊंगी।' यह कहते-कहते सुनैना देवी फफककर रोने लगीं। कहा- मैंने उससे कहा था कि पहले पढ़ाई पूरी कर लो। फिर जिससे कहोगे, उससे तुम्हारी शादी करा देंगे। क्या उसे मुझ पर भरोसा नहीं था। वह हर बात मुझे बताता था। गर्लफ्रेंड वाली बात उसने मुझे बताई थी। तभी मैंने उसे समझाया था। 30 अप्रैल को सुनैना के बेटे सौरभ ने अपनी गर्लफ्रेंड कोमल का हाथ पकड़कर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी थी। दोनों में 2 साल से अफेयर था। घरवाले उनके रिश्ते से खुश नहीं थे। इसलिए दोनों ने सुसाइड कर लिया। मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है। मां बोली- सौरभ और कोमल एक-दूसरे को 2 साल से जानते थे गांव कल्याणपुर की रहने वाली सुनैना देवी ने बताया- सौरभ को पढ़ाई के साथ बागवानी का बहुत शौक था। कॉलेज से लौटकर वह घर और खेतों की बागवानी में घंटों बिताता। उसने कई तरह के फूलों के पौधे लगाए थे। उनके पास बैठकर खुद से बातें करता था। सौरभ और कोमल एक-दूसरे को करीब 2 साल से जानते थे। उनके बीच नजदीकियां थीं। बेटे ने मुझे बताया था। तब मैंने उसे समझाते हुए कहा था- पढ़ाई पर ध्यान दो। पहले कुछ बन जाओ। फिर शादी के बारे में सोचो। जो तुम कहोगे, वही होगा। सौरभ के पिता बृजमोहन यादव ने बताया- पुलिस ने मुझे 45 किलोमीटर दूर प्रयागराज के पोस्टमॉर्टम हाउस बुलाया। वहां पहुंचा, तो उन्होंने डेडबॉडी दिखाई। ये बॉडी मेरे बेटे सौरभ यादव (18) की थी। बेटे का शव देखकर मैं बेसुध हो गया। उसने ऐसा क्यों किया, कुछ बताया भी नहीं। उसे मैं एक अधिकारी के रूप में देखना चाहता था। सोचा था पढ़-लिखकर नाम करे, लेकिन उसने मौत चुन ली।

भतीजी ने प्यार के बारे में बताया नहीं, बताती तो कभी दूर नहीं होने देता कोमल के फूफा पुष्पराज पटेल ने बताया- बुधवार सुबह वह स्कूल के लिए निकली थी, लेकिन फिर नहीं लौटी। हम लोगों ने सोचा कि वह अपने माता-पिता के पास रीवा (मध्यप्रदेश) चली गई होगी। फिर शाम को घटना के बारे जानकारी मिली।

भतीजी के प्यार के बारे में कभी पता नहीं चला। अगर उसने एक बार भी कुछ बताया होता, तो उसे कभी

महिला पर खौलता पानी डाला

अस्पताल में भर्ती, आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ केस दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

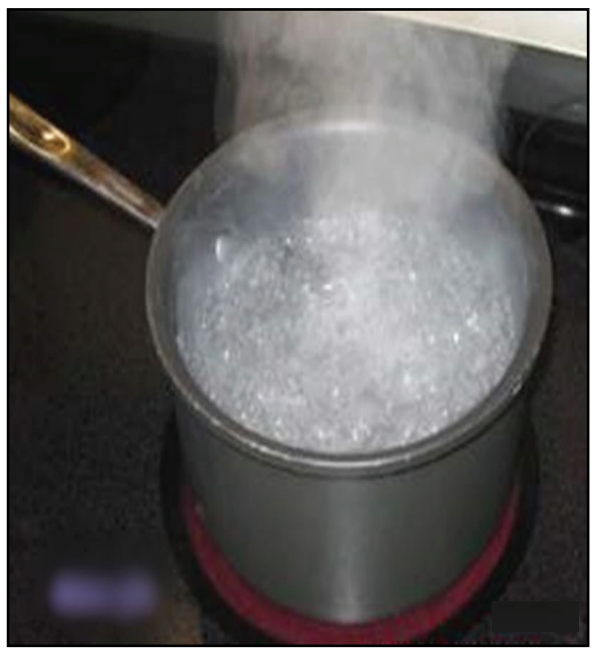

प्रयागराज , उतरांव थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में एक महिला पर खौलता पानी डालने का मामला सामने आया है।

पीड़िता सितारा देवी (35) सुबह खेत से शौच करके लौट रही थी। चंद्रभान पटेल के घर के पास पहुंचते ही उन पर भगोने से खौलता पानी डाल दिया गया।

गंभीर रूप से झुलसी महिला दर्द से बेहोश होकर गिर गई। परिजनों ने तुरंत उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। वहीं हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया।

पीड़िता के पति इंद्रमणि पटेल की शिकायत पर पुलिस ने चंद्रभान और उनकी पत्नी उर्मिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घायल महिला की हालत नाजुक बनी हुई। थानाध्यक्ष उतरांव पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस फरार आरोपी दंपति की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। वहीं आरोपी घर छोड़कर फरार है।

अमेठी पहुंचे प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा

- भवानी धाम में किए दर्शन, एक राष्ट्र-एक चुनाव कार्यक्रम में लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने अमेठी का एक दिवसीय दौरा किया। उन्होंने सबसे पहले सिंहपुर स्थित प्रसिद्ध अहोरवा भवानी धाम में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद मंत्री सतीश शर्मा ने सिंहपुर ब्लॉक सभागार में एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम में शिरकत की।

कार्यक्रम में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री और स्थानीय विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष भवानी दत्त दीक्षित और सिंहपुर ब्लॉक प्रमुख अंकित पासी उपस्थित रहे। तिलोई के सिंहपुर ब्लॉक सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में व्यापक स्तर पर विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में अग्रणी स्थान दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों का विरोध

मोबाइल फेस अटेंडेंस और छंटनी के खिलाफ सुल्तानपुर में तीसरे दिन भी प्रदर्शन जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल से सुल्तानपुर में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। कर्मचारी लगातार तीसरे दिन सड़कों पर उतरे हैं। पावर कॉर्पोरेशन ने 8 मार्च को डिस्कॉम और क्षेत्रीय कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लगाने का आदेश जारी किया था। आदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों का उल्लेख नहीं था। फिर भी प्रबंधन उन पर मोबाइल ऐप से फेस अटेंडेंस के लिए दबाव बना रहा है। कर्मचारियों को मात्र 9000 से 11000 रुपए का वेतन मिलता है। कई कर्मचारियों के पास एंड्रॉयड मोबाइल नहीं है। कॉर्पोरेशन ने न तो मोबाइल दिया है और न ही सीयूजी नंबर। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मोबाइल खराब होने या डेटा खत्म होने पर उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाएगी। अनुरक्षण कार्य में लगे कर्मचारियों को शटडाउन या ब्रेकडाउन के समय अतिरिक्त काम करना पड़ता है। फेस अटेंडेंस के लिए काम छोड़कर उपकेंद्र जाना पड़ेगा। कर्मचारियों ने तकनीकी खामियों से होने वाले नुकसान की आशंका जताई है। उन्होंने मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के समझौते के विपरीत छंटनी न करने की मांग की है।

डकैती के दो आरोपी गिरफ्तार

- 1.37 करोड़ की ज्वैलरी की लूट हुई थी, गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पुलिस ने सराफा व्यवसायी की दुकान में हुई डकैती के दो आरोपियों को दोबारा गिरफ्तार किया है। कोतवाली नगर पुलिस और स्वॉट टीम ने संयुक्त अभियान में दुर्गेश प्रताप सिंह उर्फ लालजी और विवेक सिंह को पकड़ा है। दोनों आरोपी जमानत पर बाहर थे। दो दिन पहले डीएम कुमार हर्ष ने सभी आरोपियों पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। गिरफ्तारी में निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में स्वॉट टीम और कोतवाली नगर पुलिस की टीम शामिल थी। 28 अगस्त को चौक ठठेरी बाजार में भरतजी सोनी की दुकान में दिन दहाड़े डकैती हुई थी। पांच बदमाश हथियार लेकर दुकान में घुसे और करीब 1.37 करोड़ के आभूषण लूट ले गए। इस मामले में विपिन सिंह, विवेक सिंह, सचिन सिंह, त्रिभुवन कोरी, पुष्पेंद्र सिंह, विनय शुक्ल, अरविंद यादव, दुर्गेश प्रताप सिंह, अजय यादव, अंकित यादव, अरबाज और फुरकान के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। विपिन सिंह इस वारदात का मास्टरमाइंड था।

मंदिर में चोरी करते पकड़ाया नाबालिग

शिव मंदिर की दानपेटी से 3 हजार निकाले, दुकानदार ने पकड़ा कर पुलिस को सौंपा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, गौरीगंज थाना क्षेत्र के माधवपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में एक नाबालिग चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़ा है। चोर मंदिर की दानपेटी तोड़कर पैसे निकाल रहा था और मंदिर का घंटा भी खोल रहा था। स्थानीय दुकानदार अंकुर पांडेय ने चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। मंदिर के उपाध्यक्ष शिवम के अनुसार पिछले कुछ समय से मंदिर में लगातार चोरियां हो रही थीं। रोहित शुक्ला ने बताया कि चोर ने दानपेटी का ताला तोड़कर करीब 3 हजार रुपये चुराए। मंदिर की देखरेख करने वाले सोनू मौर्य ने कहा कि पहले भी कई बार चोरी हुई थी, लेकिन चोर कभी नहीं पकड़ा गया। गौरीगंज एसएचओ श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि चोरी के आरोप में पकड़े गए नाबालिग के परिजनों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है। एक ग्रामीण ने इस मामले में थाने में तहरीर दी है।

मोबाइल पर बात करते-करते फंदे से लटका छात्र

एएमयू के सुलेमान हॉल में रहता है एमटेक का छात्र, प्रेम-प्रसंग का बताया जा रहा मामला; इलाज जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, मुस्लिम यूनिवर्सिटी के सुलेमान हॉल में एमटेक के एक छात्र ने मोबाइल पर बात करते-करते फांसी लगा दी। छात्र ने अपने ही हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। लेकिन राहत इस बात की रही कि उसके साथ के अन्य छात्रों ने उसे देख लिया। हॉस्टल में मौजूद अन्य छात्रों ने तत्काल छात्र को फंदे से नीचे उतारा और प्रॉक्टर को जानकारी दी। मौके पर पहुंची प्रॉक्टोरियल टीम ने छात्र को तत्काल जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है, जहां पर उसका इलाज जारी है। वहीं एएमयू की ओर से छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गई है, जिसके बाद परिवार के लोग अलीगढ़ आने के लिए रवाना हुए हैं। एएमयू से एमटेक करने वाला छात्र मोहम्मद शियाज मूल रूप से गाजीपुर का रहने वाला है। यह सारा प्रकरण प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है, जिसके कारण छात्र ने आत्महत्या करने की कोशिश की है। बताया जा रहा है कि देर रात को छात्र अपने हॉस्टल के कमरे में ही था। वह मोबाइल पर किसी से वीडियो कॉल कर रहा था और कॉल करते हुए ही उसने आत्महत्या करने का प्रयास किया। छात्र के आत्महत्या करने के प्रयास की सूचना जैसे ही इंतजामिया तक पहुंची तो अफरा-तफरी मच गई। प्रॉक्टर समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्र को मेडिकल कालेज में एडमिट कराया। छात्र को मेडिकल कालेज में भर्ती है और अभी उसे होश भी नहीं आया है। वहीं एएमयू की सूचना के बाद छात्र के परिवार के लोग गाजीपुर से अलीगढ़ आने के लिए रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम तक वह लोग अलीगढ़ पहुंच सकते हैं, जिसके बाद छात्र को परिजनों के हवाले कर दिया जाएगा। एएमयू के प्रॉक्टर प्रोफेसर वसीम अली ने बताया कि एक छात्र ने आत्महत्या की कोशिश की है।

उसे तत्काल मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था, जहां उसका उपचार जारी है। छात्र ने ऐसा क्यों किया इसकी जानकारी नहीं हो सकती है। उसके होश में आने के बाद बातचीत की जाएगी, जिससे सारा मामला पता चल सकेगा। परिजनों को सूचना दे दी गई है और वह अलीगढ़ आने के लिए निकल चुके हैं।

जातीय जनगणना को मंजूरी पर कांग्रेस ने मनाया जश्न

सुल्तानपुर में निकाली धन्यवाद यात्रा, जिलाध्यक्ष बोले-मोदी सरकार ने राहुल गांधी के आगे घुटने टेके

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना को मंजूरी दिए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सुल्तानपुर शहर में धन्यवाद जुलूस निकाला गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली। जुलूस लाल डिग्गी चौराहा से शुरू होकर सुपर मार्केट, डाकखाना चौराहा और नगर पालिका होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा। फिर विकास भवन, जिला पंचायत कार्यालय, तिकोनिया पार्क और पंत स्टेडियम होते हुए कांग्रेस कार्यालय पर समाप्त हुआ। जिलाध्यक्ष राणा ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद, रैलियों और प्रेस कॉन्फ्रेंस में जातीय जनगणना की मांग उठाई थी। जिसके आगे मोदी सरकार ने घुटने टेके हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने किसान विरोधी कृषि कानूनों का भी विरोध किया था। नोटबंदी पर भी उनकी आशंकाएं सही साबित हुईं। कोविड काल से पहले भी उन्होंने महामारी की गंभीरता को लेकर चेतावनी दी थी। पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन में जातीय जनगणना का बिल पास कराने की बात कही थी। उनके दबाव के कारण सरकार ने इसे मंजूरी दी है।

कैंसर मरीजों को मिल रहा बेहतर इलाज

जिला अस्पताल में 5 बेड आरक्षित, कल्याण सिंह इंस्टीट्यूट में हो रहा विशेष उपचार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, कैंसर पीड़ित मरीजों को सीएमओ के निर्देशन में समुचित इलाज दिया जा रहा है। जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कैंसर मरीजों के प्राथमिक उपचार के लिए पांच-पांच बेड की व्यवस्था की गई है। सभी ब्लॉक स्तर पर सीएचओ द्वारा कैंसर रोगियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। प्राथमिक इलाज के बाद मरीजों को आगे के उपचार के लिए कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट रेफर किया जाता है। जिले में मुख्य रूप से ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के मरीज मिल रहे हैं। सीएमओ अंशुमान सिंह ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मरीजों की स्क्रीनिंग की जाती है।

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

मक्का, ज्वार, बाजरा और मूंग की फसलें प्रभावित, किसानों ने प्रशासन से मांगी मदद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बेमौसम बारिश और आंधी-तूफान ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। मूसलाधार बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बलदेव क्षेत्र में लगातार बारिश का असर दिखाई दे रहा है। जगह-जगह जलभराव हो गया है। बारिश थमते ही किसान अपने खेतों की ओर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मक्का, ज्वार, बाजरा और मूंग की फसलें बारिश और आंधी-तूफान से प्रभावित हुई हैं। गांव धघैंटा, नगला विधि के निवासी अवधेश रावत ने बताया कि फसलों में करीब 40 प्रतिशत तक नुकसान की आशंका है। किसान विजय सिंह ने कहा कि बेमौसम बारिश से उनकी खड़ी फसल को 90 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। किसानों का कहना है कि इस बे मौसम बारिश से बर्बाद हुई फसलों के कारण अब किसान पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे। किसानों ने फसलों के नुकसान का आकलन कराने के लिए मथुरा जिला प्रशासन और एसडीएम को सूचित किया है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी